सच्ची बात, पाठकों के साथ | नागपुर, बुधवार 3 दिसंबर 2025 | @ www.rashtrabaan.in | पृष्ठ :8 | वर्ष :2 | अंक : 351 | मूल्य:₹ 5

राष्ट्रबाण

।। धर्मो रक्षति रक्षितः।।

मध्य भारत का लोकप्रिय दैनिक

'संचार साथी' ऐप पर घमासान

विपक्ष का हंगामा | सरकार की सफाई और ऐपल का इनकार

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. संचार साथी आज पूरे दिन चर्चा में बना रहा है. डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशन ने इस ऐप को लेकर एक नोटिफिकेशन जारी किया था. नोटिफिकेशन के मुताबिक सभी फोन निर्माता कंपनियों को अपने फोन में संचार साथी ऐप प्री-इंस्टॉल करना जरूरी होगा. ये ऐप डिवाइस सेटअप के वक्त फोन में मौजूद होना चाहिए. वहीं पुराने फोन्स के लिए कंपनी को OTA अपडेट जारी करना होगा, जिससे लोगों तक ये ऐप पहुंच सके. इस सरकारी ऐप में कई सारी सिटीजन सेवाएं मिलती हैं. हालांकि, इस ऐप को लेकर विपक्ष सरकार पर

क्या है विपक्ष का आरोप?

विपक्ष ने सरकार पर इस ऐप के जरिए लोगों की जासूसी करने का प्रयास करने का आरोप लगाया है. कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने इसे 'पेगासस प्लस प्लस' बताया. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा, 'बड़े भाई हमारे मोबाइल फोन्स को और हमारी प्राइवेट लाइफ को टेकओवर करेंगे.'

SANCHAR SAATHI

क्या ये चिंता की वजह है?

इस तरह की परमिशन कई ऐप्स मांगते हैं. ये ऐप्स के काम करने के लिए जरूरी होता है. लेकिन किसी ऐप को परमिशन देना 'दो धारी तलवार' पर चलने जैसा होता है. इन परमिशन का इस्तेमाल आपके खिलाफ भी किया जा सकता है. लोगों की चिंता भी यही है. हालांकि, सरकार ने साफ कर दिया है कि ये ऐप 'मैंडेटरी' नहीं है और आप इसे कभी भी डिलीट कर सकते हैं.

ऐपल ने सरकार को किया इनकार- रिपोर्ट्स

रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया कि ऐपल संचार साथी पर जारी गाइडलाइन्स को लेकर सरकार से चर्चा करना चाहता है. ऐपल इस फैसले को मानने के पक्ष में नहीं है. कंपनी इस बारे में केंद्र सरकार को जानकारी दे सकती है.

क्या है सरकार का कहना?

विवाद बढ़ने पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सफाई दी. उन्होंने बताया कि संचार साथी ऐप पूरी तरह से ऑप्शनल है और इसे किसी दूसरे ऐप की तरह ही एक्टिवेट या डिएक्टिवेट किया जा सकता है. उन्होंने बताया कि अगर कोई इसे नहीं रखना चाहता है, तो ऐप को रिमूव कर सकता है. उन्होंने कहा,'आप अपनी मर्जी से इसे एक्टिवेट या डिएक्टिवेट कर सकते हैं... अगर आप इसे नहीं रखना चाहते हैं, तो डिलीट कर सकते हैं. ये ऑप्शनल है.' प्राइवेसी और सिक्योरिटी को लेकर उठ रहे सवाल को उन्होंने गलतफहमी बताया है. सिंधिया ने बताया कि संचार साथी ऐप डिवाइस पर जासूसी या कॉल मॉनिटरिंग नहीं कर सकता है. इसे कंज्यूमर्स की सेफ्टी बेहतर करने के लिए तैयार किया गया है. उन्होंने ये भी बताया कि इस ऐप पर सिटीजन्स के रिपोर्ट किए गए 40.96 लाख फर्जी मोबाइल कनेक्शन डिस्कनेक्ट किए गए हैं. इसका Not My Number फीचर इस्तेमाल करके 1.43 करोड़ से ज्यादा मोबाइल कनेक्शन डिस्कनेक्ट हुए हैं.

कौन-सी डिटेल्स मांगता है ये ऐप?

अगर आप इस ऐप को इंस्टॉल करके सिर्फ रजिस्टर करते हैं, तो आपके फोन और SMS ऐप्स का एक्सेस लेता है. अगर आप फोटोज अपलोड करते हैं, तो ये गैलरी का एक्सेस मांगता है. वहीं IMEI कोड स्कैन करने के लिए ये कैमरे की परमिशन मांगता है. कुल मिलाकर ये आपके फोन, कॉल लॉग्स, SMS, स्टोरेज, कैमरा जैसी परमिशन मांगता है.

प्राइवेसी को लेकर विवाद तेज

'क्या सरकार किम जोंग के रास्ते पर चल रही'

संचार साथी ऐप पर अखिलेश का निशाना

केजरीवाल ने भी उठाए सवाल

देशभर में बढ़ते साइबर क्राइम के ख़िलाफ़ समय-समय पर सरकार नए-नए नियम लाते रहती है. हाल में ही दूरसंचार विभाग (DoT) ने मोबाइल फ़ोन निर्माता कंपनियों को निर्देश दिया कि वो अपने फ़ोन में 'संचार साथी' ऐप को प्री-इंस्टॉल करें. यह निर्देश विवाद का कारण बन गया है. कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (AAP), समाजवादी पार्टी से लेकर अन्य राजनीतिक दलों ने इसे लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोला है. इस फैसले पर समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने सीधा हमला बोलते हुए पूछा कि सरकार लोगों के फोन में आखिर क्या देखना चाहती है. उन्होंने कहा कि क्या केंद्र सरकार उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की तरह पूरी निगरानी वाली नीति अपनाना चाहती है? आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी इस आदेश को नागरिक स्वतंत्रता पर सीधा हमला बताया. उनका कहना है कि दुनिया के किसी लोकतांत्रिक देश में बिना सहमति किसी ऐप को फोन में जबरन इंस्टॉल करने का निर्देश नहीं दिया गया है. उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने अपने नोटिस में कहीं भी यह नहीं बताया कि लोग ऐप को हटाने का विकल्प रखेंगे या पहले उनकी मंजूरी ली जाएगी. AAP ने इसे "तानाशाही कदम" बताया और सरकार से तुरंत आदेश वापस लेने की मांग की. विपक्ष का कहना है कि फोन नागरिकों की निजी जगह है और किसी भी सरकारी ऐप की अनिवार्यता लोगों की निजता के अधिकार को कमजोर करती है. वहीं सरकार की ओर से इस पर अभी कोई विस्तृत प्रतिक्रिया नहीं आई है.

जनता से जुड़ें, सोशल मीडिया पर रहें एक्टिव

असम चुनाव से पहले PM मोदी ने सांसदों को दिया टास्क

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज संसद भवन स्थित अपने कार्यालय में असम से एनडीए के सांसदों से मुलाकात की. इस बैठक में पीएम ने सांसदों से उनके संसदीय क्षेत्रों से जुड़ी गतिविधियों पर चर्चा की और उन्हें जनता के बीच अधिक सक्रिय रहने की सलाह दी. प्रधानमंत्री ने सांसदों से

पूछा कि उन्होंने अपने क्षेत्रों में कितने खेल महोत्सव आयोजित किए हैं और इस पहल पर उनका फीडबैक भी लिया.

बीजेपी और उसके सहयोगी दल पिछले नौ वर्षों से राज्य में सत्ता में हैं. इस बार पार्टी ने 126 विधानसभा सीटों में से कम से कम 100 सीटें जीतने का लक्ष्य तय किया है. बैठक को आगामी चुनावों के मद्देनजर बेहद अहम माना जा रहा है. प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि सांसदों को अपने क्षेत्रों में विकास कार्यों के साथ-साथ जनभागीदारी बढ़ाने पर ध्यान देना होगा. खेल महोत्सव और सोशल मीडिया कैंपेन को जनता से जुड़ने का प्रभावी माध्यम बताया गया.

इमरान खान: बहन से मुलाकात हुई

उजमा खान ने बताया जेल में कैसा है पूर्व पीएम का हाल

राष्ट्रबाण

पाकिस्तान में लंबे समय से चर्चाओं और अटकलों के बीच आखिरकार पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से उनकी बहन डॉ. उजमा खान की मुलाकात हो गई. यह मुलाकात रावलपिंडी के अदियाला जेल में हुई, जहां इमरान खान को अगस्त 2023 से कई मामलों में बंदी बनाया गया है.

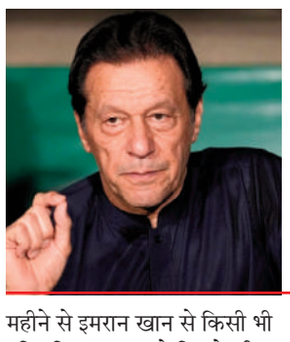

दरअसल, पिछले करीब एक महीने से इमरान खान से किसी भी परिवारिक सदस्य को मिलने की अनुमति नहीं थी, जिससे उनके स्वास्थ्य और कुशलता को लेकर सोशल मीडिया पर अटकलें तेज हो गई थीं. कई लोगों ने यहां तक सवाल उठाए कि क्या वह जीवित हैं या नहीं.

जेल के बाहर रहे सख्त सुरक्षा इंतजाम

इस मुलाकात के दौरान पाकिस्तान पंजाब सरकार ने रावलपिंडी और इस्लामाबाद में सख्त सुरक्षा इंतजाम किए थे. आठ पुलिस थाना क्षेत्रों के स्टेशन हाउस ऑफिसर और वरिष्ठ अधिकारी जेल के बाहर तैनात रहे. अदियाला रोड के साथ पूरी रावलपिंडी पुलिस तैनात की गई थी.

फास्ट ट्रैक

भारत आने से पहले पुतिन ने साफ कर दिया एजेंडा

राष्ट्रबाण

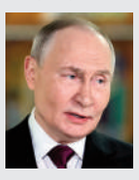

नई दिल्ली. रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दो दिवसीय दौरे पर भारत 4 दिसंबर को आएंगे. इस दौरान वह

राजधानी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे. रूस के दूसरे सबसे बड़े बैंक वीटीबी के कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रपति पुतिन ने बताया कि उनकी और प्रधानमंत्री मोदी की जल्द मुलाक़ात होने वाली है. इस दौरान भारत के साथ व्यापार और आयात को लेकर विस्तृत चर्चा होगी. उन्होंने कहा कि रूस अपनी 'स्वतंत्र आर्थिक नीति' पर काम करते रहेगा, जिसमें सिर्फ अपने देश के हित को ध्यान में रखा जाएगा.

SIR का विरोध करते करते अखिलेश यादव सपोर्टर क्यों बन गए?

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. SIR का विरोध थमा तो नहीं है, लेकिन मामला पहले जैसा भी नहीं रहा. विपक्ष संसद में चर्चा कराना चाहता है, और सरकार बड़े आराम से वंदे मातरम पर चर्चा कराने जा रही है. संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले समाजवादी पार्टी के नेता राम गोपाल यादव ने कहा था, अगर एसआईआर पर चर्चा नहीं हुई तो संसद चलने नहीं देंगे - लेकिन, अखिलेश यादव के हाव भाव तो अलग ही नजर आ रहे हैं. आखिर ऐसी क्या मजबूरी है कि

अखिलेश यादव अचानक लोगों को एसआईआर करने की सलाह देने लगे हैं, और अपने नेताओं को तो लग रहा है जैसे चेतावनी दे रहे हों. एसआईआर का विरोध करने तो अखिलेश यादव बिहार तक पहुंच गए थे.

SIR पर समाजवादी पार्टी का यू-टर्न

SIR पर भी समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव का रुख कोविड वैक्सीन जैसा ही लग रहा है. अखिलेश यादव ने शुरू में कोविड वैक्सीन का भी विरोध किया था. कहने को तो अखिलेश यादव एसआईआर को 'वोट कटवा अभियान' तक बता चुके हैं, लेकिन व्यवहार में चीजें अलग ही दिखाई दे रही हैं. मालूम होता है कि अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें कर रहे हैं. कार्यकर्ताओं से हर बूथ और ब्लॉक में जाकर काम करने को कह रहे हैं. कहते हैं, वोटों को बचाने के लिए जो भी जतन करना पड़े, किया जाए. फार्म कैसे भरा जाए, उसके लिए ट्रेनिंग भी दी जा रही है. जिला स्तर पर नेताओं और कार्यकर्ताओं की बैठकें हो रही हैं. अब तो एसआईआर फार्म भरवाने के टास्क को चुनाव लड़ने के लिए मिलने वाले टिकट से भी जोड़ दिया गया है. विधानसभा और लोकसभा चुनाव में टिकट के दावेदार नेताओं से एसआईआर के मामले लोगों के संपर्क में बने रहने को बोल दिया गया है. ग्राउंट लेवल पर काम करके रिपोर्ट भी तैयार करनी है, और ये रिपोर्ट ही उन नेताओं के टिकट की दावेदारी का आधार बनने जा रही है.

मोदी सरकार का नामकरण अभियान तेज

नाम बदलने पर उठे सवाल: सरकार बोली, उद्देश्य जनता से जुड़ाव बढ़ाना

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. केंद्र की मोदी सरकार ने जनता के लिए कार्य करने वाले और सरकारी मशीनरी के पते के तौर पर पहचानी जाने वाली संस्थाओं के नाम एक बार फिर बदले हैं. अब तक के 11 वर्षों के कार्यकाल में यह पहल कई चरणों में अपनाई गई है, जिसके तहत नया बदलाव यह हुआ है कि राजभवन को लोकभवन नाम से जाना जाएगा वहीं, प्रधानमंत्री कार्यालय को सेवातीर्थ के तौर पर जाना जाएगा. इससे पहले केंद्रीय गृहमंत्रालय के निर्देश के बाद आधारिक रूप से राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ कर दिया गया था तो वहीं सेवन रेसकोर्स रोड अब लोक कल्याण मार्ग कहलाता है.

नाम के बदलावों पर आलोचना के सुर!: नाम के इन बदलावों पर आलोचना के सुर भी उठते हैं. कहा जाता है कि 'नाम बदलने से क्या होगा'. असल में सच्चाई यह है कि 'नाम में क्या रखा है' यह तथ्य हर जगह नहीं चलता है. कई बार नाम ही उस पहचान का प्रतीक बन जाते हैं, जो जनभावना से जुड़वा महसूस कराते हैं और जनता को भी यह लगता है.

"राजा रघु: सम्राट होते हुए भी कुटिया में रहते थे।"

इस बारे में पौराणिक कथाओं से एक बड़ा और सटीक उदाहरण लिया जा सकता है. श्रीराम के वंश में उनके ही एक महान पूर्वज थे राजा रघु. राजा रघु की महानता के कारण ही सूर्यकुल का इक्ष्वाकु वंश रघुवंश कहलाया था. राजा रघु साकेत के बड़े भूभाग के महाराज थे, लेकिन उन्होंने जनता की सेवा के लिए कभी भी महल में निवास नहीं किया, बल्कि राज्य की सीमा के बाहर एक कुटिया में रहते थे, ताकि प्रजा उनसे कभी भी अलगाव न महसूस करे. एक बार अपने कुलगुरु महर्षि वशिष्ठ के कहने पर उन्होंने विश्वजित यज्ञ किया और यज्ञ के पारायण में अपनी सारी संपत्ति ब्राह्मणों, किसानों और श्रमण परंपरा के संतों को दान कर दीं. एक सुबह जब वह अपनी कुटिया में ध्यान कर रहे थे, तभी एक युवा वेदपाठी ब्राह्मण आया. उसका नाम कौत्स था. उसे अपने गुरु को दक्षिणा में स्वर्ण मुद्राएं देनी थीं जो उसके पास नहीं थीं.

PM मोदी ने भेजा खालिदा जिया को संदेश

क्या फिर से पिघल रही भारत-बांग्लादेश रिश्तों में जमी बर्फ?

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. बीते समय से भारत और बांग्लादेश के बीच ठंडे पड़ चुके रिश्तों में अब थोड़ी गर्माहट दिखने लगी है. कुछ हालिया कदमों से संकेत मिला है कि दोनों देशों के तनाव कम करने की कोशिशें शुरू हो गई हैं. रिश्तों में जमी धूल की परत पहली बार तब हटी जब बांग्लादेश के नेशनल सिक्योरिटी

एडवाइजर (NSA) चुपचाप दिल्ली आए. इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और BNP प्रमुख खालिदा जिया की खराब सेहत पर चिंता जताते हुए शुभका-मनाएं दीं. उनके इस संदेश से कूटनीतिक हलकों में हलचल बढ़ गई है. ढाका की ओर से भी नरमी बांग्लादेश की ओर से भी भारत के खिलाफ कड़ी बयानबाजी कुछ कम हुई है. बांग्लादेशी विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन ने कहा कि कुछ अनसुलझे मुद्दों के बावजूद भारत के साथ रिश्ते आगे बढ़ेंगे.

सोने-चांदी में भारी गिरावट

खरीद लें? नया टारगेट- 2 लाख के पार जाएगा Silver का भाव

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. सोने-चांदी के रेट में बड़ी गिरावट आई है. MCX पर मंगलवार को सोने और चांदी के भाव में बड़ी गिरावट देखने को मिली. सोने का भाव करीब 600 रुपये टूटकर 1.30 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर था, जबकि चांदी की कीमत 2430 रुपये टूटकर 179600 रुपये प्रति किलो पर

कारोबार कर रही थी. इस बड़ी गिरावट के बावजूद सोने और चांदी की डिमांड कम नहीं हो रही है. फिजिकल से लेकर ईटीएफ माध्यम से सोने-चांदी खरीदे जा रहे हैं.

पुतिन के दौरे पर Su-57 फाइटर जेट पर भी होगी बात

रूस-भारत दोस्ती की नई ऊंचाई

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 4-5 दिसंबर को भारत आ रहे हैं. यह उनका चार साल बाद भारत का दौरा होगा. वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के न्योते पर 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पुतिन का स्वागत करेंगी. उनके सम्मान में भोज का आयोजन होगा. यह दौरा दोनों देशों के बीच रक्षा, ऊर्जा और व्यापार को नई ताकत देगा.

हम भारत के ऐतिहासिक विकास में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने पर गर्व करते हैं. आजकल भारत का हमारे प्रति दोस्ताना रुख है, इसके लिए हम बहुत आभारी हैं. पेस्कोव ने भारत के रुख को बहुत दोस्ताना बताया, जो यूक्रेन संकट के बीच रूस के लिए बड़ी राहत है.

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि: मजबूत बंधन

भारत-रूस दोस्ती 70 साल पुरानी है. सोवियत काल से रक्षा सौदे चले आ रहे हैं. पुतिन ने 2000, 2004, 2010, 2014 और 2021 में भारत का दौरा किया. यह दौरा यूक्रेन युद्ध के बाद पहला बड़ा कदम है, जो रूस की कूटनीतिक अलगाव को कम करेगा. भारत की रणनीतिक स्वायत्तता यहां दिखेगी, जहां अमेरिकी दबाव के बावजूद रूस से सहयोग जारी रहेगा.

क्या होगा नतीजा? नई शुरुआत

इस दौरे से रक्षा निर्यात, ऊर्जा साझेदारी और वैश्विक सुरक्षा पर नए समझौते होंगे. पेस्कोव ने कहा कि रिश्ता बाहरी हस्तक्षेप से मुक्त रहेगा. भारत के लिए यह आत्म-निर्भरता बढ़ाने का मौका है, जबकि रूस के लिए आर्थिक सहारा. विशेषज्ञों का मानना है कि यह दौरा एशिया-प्रशांत क्षेत्र की भू-राजनीति को नया आकार देगा.

रूस की तारीफ: गहरी दोस्ती पर जोर

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि रूस-भारत रिश्ता सिर्फ राजनयिक नियमों या व्यापार समझौतों का सेट नहीं है, यह इससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है. हमारा द्विपक्षीय संबंध आपसी समझ, साझेदारी और वैश्विक मामलों पर साझा नजरिए पर टिका है. यह अंतरराष्ट्रीय कानून, कानून का राज और एक-दूसरे के हितों का सम्मान करने पर आधारित है.

व्यापक सहयोग: ऊर्जा, व्यापार और वैश्विक मुद्दे

पुतिन रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव और बिजनेस डेलिगेशन के साथ आएंगे. इसमें स्बरबैंक, रोसोबोरन एक्सपोर्ट, रोसनेफ्ट और गैजप्रोम के सीईओ शामिल हैं. ऊर्जा क्षेत्र में रूसी तेल की बिक्री बढ़ेगी, जो अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद भारत रूस का सबसे बड़ा खरीदार है. दोनों नेता शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (SCO) और ब्रिक्स जैसे मंचों पर सहयोग की समीक्षा करेंगे. पेस्कोव ने दिल्ली के लाल किले आतंकी हमले की निंदा की. आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ एकजुटता जताई.

रक्षा सौदे पर फोकस: Su-57 एजेंडे में

पेस्कोव ने कहा कि Su-57 एजेंडे में होगा. दुनिया में बहुत सारे प्रतिस्पर्धी हैं, जो अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन नहीं करते. Su-57 रूस का सबसे उन्नत स्टेल्थ फाइटर जेट है, जो अदृश्य होकर हमला कर सकता है. भारत पहले से रूसी Su-30 विमानों का इस्तेमाल करता है. इस दौरे में Su-57 की खरीद, तकनीक हस्तांतरण और संयुक्त उत्पादन पर बात होगी. इसके अलावा S-400 एयर डिफेंस सिस्टम के नए डील और S-500 मिसाइल डिफेंस पर चर्चा संभावित है. रूस भारत को जेट के लिए लंबी दूरी की मिसाइलें भी देगा. हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) रखरखाव में मदद करेगा.

CM रेवंत रेड्डी के देवी-देवताओं पर बयान से तेलंगाना में सियासी तूफान

BJP-RSS ने की माफी की मांग

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान ऐसा बयान दिया की प्रदेश में सियासी तूफ़ान मच गया है. उन्होंने कहा, "हिंदू कितने देवताओं में विश्वास करते हैं? क्या तीन करोड़? इतने देवता क्यों हैं? जो लोग कुंवारे हैं, उनके भगवान हनुमान हैं. जो दो बार शादी करते हैं, उनके लिए दूसरा भगवान है. जो शराब पीते हैं, उनके लिए अलग.

मुर्गे की बलि देने वालों का अलग भगवान. दाल-चावल खाने वालों का भी अलग.हर ग्रुप का अपना भगवान है.

विपक्षी दलों का विरोध और बयान

बीजेपी नेता चिक्कोटी प्रभु ने कहा कि रेवंत रेड्डी के इस बयान से राज्यभर के हिंदू शर्म महसूस कर रहे हैं. उनके मुताबिक, "कांग्रेस और रेवंत रेड्डी को शर्म नहीं आई. हर सभा में वे कहते हैं कि कांग्रेस सिर्फ मुस्लिमों की वजह से है. मुख्यमंत्री को तुरंत माफी मांगनी चाहिए और अपना बयान वापस लेना चाहिए." वहीं बीआरएस के नेता राकेश रेड्डी अनुगुला ने भी तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा, "आजकल हिंदू देवी-देवताओं का मज़ाक उड़ाना फैशन बन गया है. यह बहुत दुर्भाग्य की बात है कि मुख्यमंत्री ऐसे बोल रहे हैं, जिससे करोड़ों हिंदुओं की भावनाएं आहत हो रही हैं. क्या वे ऐसा किसी को खुश करने के लिए बोल रहे हैं? उन्हें तुरंत हिंदू समाज से माफी मांगनी चाहिए."

पहले भी बयानों को लेकर विवाद में रहे रेड्डी

यह पहली बार नहीं है जब रेवंत रेड्डी अपने शब्दों को लेकर विवादों में घिरे हों. पिछले साल भी उन्होंने एक बयान दिया था जिसमें उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा था, "जो भगवान की फोटो लेकर कुछ मांगता है, वो हिंदू नहीं, भिखारी है." रेड्डी ने कहा था, "भगवान मंदिर में होना चाहिए और श्रद्धा इंसान के दिल में. ऐसे लोग ही सच्चे हिंदू हैं. लेकिन बीजेपी नेता तो सड़कों पर भगवान की तस्वीर रखकर वोट मांगते हैं." उनके इस बयान पर तब भी बीजेपी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी और इस बार भी मामला तूल पकड़ गया है

संपादकीय

शिक्षा संस्थानों की लचर निगरानी

दिल्ली में लाल किले के पास धमाके के बाद से फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी संदेह के घेरे में है. उसे आतंकियों के अड्डे के रूप में देखा जा रहा है. दिल्ली बम धमाके का मुख्य आरोपित डा. उमर नबी और उसके कुछ साथी इसी यूनिवर्सिटी में चिकित्सक के रुप में कार्यरत थे. इस यूनिवर्सिटी में कार्यरत कई और डाक्टर एवं कर्मचारी जांच एजेंसियों के रडार पर हैं. जांच एजेंसियां यह जानने का प्रयास कर रही हैं कि अल फलाह यूनिवर्सिटी व्हाइट कालर टेरर माड्यूल वालों का ठिकाना कैसे बन गई? प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को इस शिक्षा संस्थान में 415 करोड़ रुपयों की वित्तीय अनियमितता भी मिली है. ईडी का आरोप है कि अल फलाह यूनिवर्सिटी ने राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद (नैक) एवं यूजीसी की धारा 12(बी) के तहत मान्यता एवं सरकारी अनुदान मिलने की बात को गलत तरीके से प्रस्तुत किया. जांच बताती है कि अल फलाह स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी की नैक मान्यता 2013 से 2018 तक ही थी तथा शिक्षा विभाग की मान्यता 2011 से 2015 तक ही 'ए' ग्रेड रही. यूनिवर्सिटी प्रशासन ने नवीनीकरण कराए बिना ही अपने प्रपत्रों में 'ए' ग्रेड होने का दावा करते हुए छात्रों से करोड़ों की फीस वसूली. यह भी सामने आया है कि इस यूनिवर्सिटी ने वित्तीय वर्ष 2018 से 2025 तक 415.10 करोड़ रुपयों का शैक्षिक राजस्व अर्जित किया. 2018 के बाद इस यूनिवर्सिटी के राजस्व में तेजी से वृद्धि दर्ज की गई. 2018-19 में जहां इसका वार्षिक राजस्व केवल 24.1 करोड़ था, वहीं 2024-25 में बढ़कर 81.10 करोड़ तक पहुंच गया. इसके अलावा इस यूनिवर्सिटी की हास्टल और मेस फीस को लेकर भी अनियमितताएं सामने आई हैं. अल फलाह यूनिवर्सिटी की स्थापना 2014 में हरियाणा विधानसभा के अधिनियम 21 के तहत की गई थी. इसे यूजीसी द्वारा एक्ट 1956 की धारा 2 (एफ) के तहत मान्यता मिली. यह यूनिवर्सिटी एसोसिएशन आफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआइयू) की भी सदस्य बनी. इसमें यूजी और पीजी के साथ-साथ पीएचडी स्तर के पाठ्यक्रम भी संचालित किए जाने लगे. यह चिंता की बात है कि जिस उच्च शिक्षण संस्थान पर देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए श्रेष्ठ मानव संसाधन तैयार करने का उत्तरदायित्व था, वह सफेदपोश आतंकी माड्यूल की शरणस्थली बन गया. अल फलाह मामले ने इस जैसे अन्य शिक्षा संस्थानों की गहन जांच की आवश्यकता रेखांकित कर दी है. यह स्वाभाविक ही है कि उच्च शिक्षा संस्थाओं को मान्यता देने और उनकी निगरानी करने वाली नियामक संस्थाओं पर भी सवाल उठ रहे हैं.

इस सच को कहने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए कि किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय में आतंकी माड्यूल का पनपना यूजीसी, एआइसीटीई और एनसीटीई जैसी नियामक संस्थाओं की उदासीनता को बयान करता है. अल फलाह का मामला यह भी बताता है कि नियामक संस्थाओं के पास कोई ठोस एवं प्रभावी निगरानी तंत्र नहीं है. यदि निगरानी तंत्र सही तरह काम कर रहा होता तो शायद अल फलाह यूनिवर्सिटी आतंकियों का अड्डा नहीं बनती और न ही वहां इतनी अधिक अनियमितताएं मिलतीं. एक आंकड़े के अनुसार देश में 1191 विश्वविद्यालय हैं.

भारत में भाषाई गिरावट और संस्कृति की उपेक्षा

यह अच्छी बात है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहनराव भागवत ने देश की भाषाई गरीबी पर ध्यान दिया है. भारतीय भाषाएँ नहीं जानते; यह बात हमारी भाषाई कमजोरी को दिखाती है. संघ हेडक्वार्टर नागपुर में ज्ञानेश्वरी के इंग्लिश वर्जन के लॉन्च सेरेमनी में सरसंघचालक ने भाषा की समस्या के बारे में बात की. इंग्लिश में ज्ञानेश्वरी बहुत पॉपुलर थी.

इसलिए, कई मराठी बोलने वाले इस किताब का मज़ा ले पाएँगे. ज्ञानेश्वरी ने यह किताब इसलिए लिखी क्योंकि उस समय बहुत से लोग संस्कृत के भजनों का मतलब नहीं समझते थे. इस किताब के मराठी पब्लिकेशन को फिर से शुरू करने का क्रेडिट 19वीं सदी के विद्वान बालशास्त्री जांभेकर को जाता है. जांभेकर, जिन्होंने वीकली 'दर्पण' के साथ मराठी जर्नलिज़्म की नींव रखी, कई भाषाएँ बोलने वाले थे और ग्रीक से लेकर संस्कृत तक कई भाषाएँ अच्छी तरह जानते थे. ईस्ट इंडिया कंपनी ने उन्हें इंग्लैंड के बड़े इतिहास को मराठी में लाने की ज़िम्मेदारी सौंपी, जो उनकी महानता को दिखाता है. ज्ञानेश्वरी को फिर से खोजने के लिए जांभेकर को जन्म लेना पड़ा. लेकिन आज के मराठी बोलने वालों को ज्ञानेश्वरी की भाषा समझने में मुश्किल होती है. ऐसे मराठी बोलने वालों को इस इंग्लिश अवतार से आसानी होगी. संस्कृत की मोनोपॉली तोड़ने के लिए ज्ञानेश्वरी ने प्राकृत मराठी में जो किताब लिखी है, वह मराठी की मोनोपॉली तोड़ने में काम आएगी. इससे हम समझ पाएंगे कि हमारी भाषाई गिरावट कितनी तेज़ी से हो रही है. फिर सरसंघचालक का यह सोचना सही है कि भारतीय, भारतीय भाषाएं नहीं लिख/बोल सकते.

हालांकि, ऐसा करते समय, संस्कृत पर उनकी राय कुछ शक पैदा करती है. जैसे, ₹एक समय की बात है, भारत में सारा लेन-देन संस्कृत में होता था₹, यह उनकी राय है. यह कब हुआ? अगर हम यह जान लें, तो उस समय के भाषाई और सामाजिक लेन-देन पर ज़्यादा रोशनी पड़ेगी. इसके लिए, अगर हम सम्राट अशोक के समय में वापस जाएं, तो उस समय पाली भाषा थी. कहीं और लिखा है कि चालुक्य, सातवाहन, वाकाटक, यादव आदि के समय में अर्धमागधी, पैशाची, प्राकृत, कन्नड़ आदि भाषाएँ प्रचलन में थीं. यादवों के समय में मराठी को बल मिला. कालिदास के साहित्य में संस्कृत में बातचीत करने वाले लोग मिलते हैं. लेकिन उनके साहित्य से उनके समय की भाषा का अनुमान लगाना उतना ही खतरनाक होगा जितना एन.सी. फड़के के उपन्यासों के नायक-नायिकाओं के चर्चित विषयों से 1940 के दशक के सामाजिक जीवन का औसत निकालना. यह जोखिम न उठाना ही बेहतर है. इसका कारण यह है कि जैसे फड़के के नायक-नायिकाएँ पूरी तरह से मध्यमवर्गीय, परोपकारी (छद्म अभिजात) थे, वैसे ही कालिदास या भास के पात्र भी काल्पनिक थे. शूद्रक की मृच्छकटिक में वसंतसेन के मित्र भी प्राकृत में बात करते हैं. महाराष्ट्र में एक भी संत ने संस्कृत में नहीं लिखा है. दक्षिण में तमिल तो संस्कृत से भी पुरानी है. शुद्ध तमिलों का संस्कृत पर ज़ोर देना बिल्कुल भी मंज़ूर नहीं है. इसलिए, सवाल यह है कि इस देश में आम लोगों का संस्कृत से वास्ता कब पड़ा. दूसरी बात है सरसंघचालक का यह अफ़सोस कि विदेश से एक्सपर्ट आकर भारतीयों को भाषा सिखा रहे हैं. यह बिल्कुल सच है. लेकिन इसका कारण यहाँ के समाज द्वारा ज्ञान और समझदारों की अनदेखी है. इसका कोई उदाहरण इतिहास में जाने की ज़रूरत नहीं है. आर. चिन. धेरे जैसे ऋषितुल्य विद्वान ने अपना पूरा जीवन महाराष्ट्र के सांस्कृतिक इतिहास को समर्पित कर दिया. उन्होंने किताबें इकट्ठा करने और उन्हें एडिट करने में सचमुच अपना पैसा खर्च किया.

हाथ पर हाथ धरकर बैठने से कम नहीं होगा प्रदूषण

दिल्ली ने बीते पूरे माह घुट-घुटकर सांस ली है. नवंबर के 24 दिनों में एयर क्वॉलिटी इंडेक्स 300 के ऊपर रहा यानी बहुत खराब और 3 दिन तो यह 400 के ऊपर चला गया मतलब गंभीर. महज तीन दिनों के लिए AQI 300 के नीचे आया, और वह भी हवाओं की बदौलत. ये आंकड़े देश की राजधानी में वायु प्रदूषण का हाल बयान कर देते हैं. ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का इस मामले को संज्ञान में लेना महत्वपूर्ण हो जाता है.

स्पष्ट योजना: शीर्ष अदालत ने CAQM और NCR की स्टेट अथॉरिटीज को प्रदूषण से निपटने के लिए स्पष्ट, समयबद्ध और ऐसी योजना तैयार करने के लिए कहा है, जिस पर अमल किया जा सके. अदालत ने बिल्कुल ठीक कहा कि हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठा जा सकता और समाधान विशेषज्ञों की तरफ से आना चाहिए. पराली दोषी नहीं: दिल्ली-एनसीआर में हर साल दिवाली के बाद वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है और सर्दियों में हालात बद से ++ बदतर हो जाते हैं. लेकिन, इस बार तो राहत का कोई दिन मिला ही नहीं . सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पराली पर भी नहीं डाला जा सकता. और सबसे बड़ी बात है कि दोष इस सीजन दिल्ली के प्रदूषण में पराली के धुएं का हिस्सा 5% से भी कम रहा है. सरकार ने संसद में सोमवार को ही जानकारी दी कि पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में 2022 की तुलना में 90% की कमी आई है.

नई स्टडी की जरूरत: खासकर दिल्ली-एनसीआर के केस में पराली जलाने को हमेशा से एक बड़ी समस्या के रूप में पेश किया गया है. लेकिन, SAFAR और IIT दिल्ली ने 2018 में जो इन्वेंट्री रिपोर्ट तैयार की थी, उसके मुताबिक राजधानी में प्रदूषण की सबसे बड़ी वजह वाहन हैं. SAFAR के मुताबिक, PM2.5 के लिए 41% ट्रांसपोर्ट और 21% धूल जिम्मेदार है, जो ज्यादातर कंस्ट्रक्शन साइट से उड़ती है . हालांकि यह रिपोर्ट भी पुरानी पड़ चुकी है, और एक्सपर्ट्स का कहना है कि नई स्टडी होनी चाहिए.

राजनीति न करें: सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी कि पराली तो कवि के समय भी जलाई जा रही थी पर तब आसमान साफ और नीला था, और इस मुद्दे को राजनीति या अहं की लड़ाई न बनाएं. सरकारों के लिए संदेश है कि दोषारोपण के बजाय मिलकर काम करने की जरूरत है. वर्ल्ड बैंक की पिछले साल की एक रिपोर्ट चेताती है कि भारत की पूरी आबादी वायु प्रदूषण के खतरे में है. इसकी वजह से देश की GDP के 3% के बराबर नुकसान हा है. इससे लड़ने के लिए प्रभावी उपाय चाहिए, और वह भी पूरे देश में.

सार्वजनिक बसों में लगातार बढ़ रहे हादसे

आपातकालीन दरवाजे या खिड़कियों का नहीं होना यात्रियों की मौत की बन रही वजह पिछले कुछ समय के दौरान सार्वजनिक बसों के हादसे के कई मामले सामने आए, जिनमें आग लगने से यात्री जिंदा जल गए. ऐसी घटनाओं को हादसा मान कर ही देखा गया और सरकार ने इनकी जांच कराने और हताहतों या उनके परिजनों को मुआवजा देने की घोषणा करके औपचारिकता पूरी कर ली. मगर जब एक ही तरह की दुर्घटनाएं लगातार होने लगें, तो इस पर भी विचार करने की जरूरत होती है कि इनकी तह में क्या वजह छिपी हो सकती है. अव्वल तो वाहन सुरक्षित चलाने से लेकर सामान रखने की जगह और बस के भीतर आवाजाही के रास्ते निर्बाध रखने जैसी सावधानी को सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी प्रबंधन की होनी चाहिए. अगर इसमें लापरवाही बरती जाती है, तो उसकी जांच और कार्रवाई की जिम्मेदारी सरकार के संबंधित महकमे तथा अधिकारियों की है. मगर ऐसा लगता है कि हर स्तर पर घोर लापरवाही बरती जाती है और यात्रियों के जीवन की कोई परवाह नहीं की जाती. सवाल है कि ऐसी स्थिति कैसे आती है कि किसी बस में आग लग जाने पर यात्रियों को निकलने तक का मौका नहीं मिलता और वे अपनी या किसी अन्य की जान बचाने के लिए कुछ नहीं कर पाते. मानवाधिकार आयोग ने राजमार्ग मंत्रालय को जारी किया नोटिस इसी मसले पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, यानी एनएचआरसी की एक पीठ ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को नोटिस जारी किया है तथा राज्यों के मुख्य सचिवों को सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाली बसों को हटाने का निर्देश दिया. दरअसल, यह शिकायत दर्ज कराई गई थी कि सार्वजनिक बसों के डिजाइन में गंभीर खामी यात्रियों की जान को खतरे में डाल रही है. ऐसी खबरें भी आईं कि हादसे या आग लगने के बाद बस का स्वचालित दरवाजा जाम हो गया और इसकी वजह से लोग भीतर ही फंस गए. इसके अलावा, बस में जरूरत से ज्यादा भार, आपातकालीन दरवाजे या खिड़कियों का नहीं होना या फिर बेकाम होना जैसी अनेक लापरवाहियां यात्रियों की मौत की वजह बनती हैं. आखिर डिजाइन में गंभीर खामी वाली बसें जोखिम भरी स्थितियों में सड़क पर निर्बाध दौड़ती हैं, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? आए दिन यात्री बसों में आग लगने और लोगों की मौत की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए इस पर विचार और ठोस कार्रवाई बेहद जरूरी है.

राशिफल

■ **मेष**: 3 दिसंबर के दिन प्यार के मामले में आज आप कॉन्फिडेंस से भरपूर रहेंगे. आप में सफल होने की शक्ति है. उन गतिविधियों के लिए समय निकालना महत्वपूर्ण है, जो आपको अच्छा महसूस कराएं. फाइनेंशियल सिचुएशन पॉजिटिव दिख रही है.

■ **वृषभ**: 3 दिसंबर के दिन में आपको रोमांचक अवसर मिल सकते हैं. केंद्रित रहें और दूसरों का नेतृत्व करने से न डरें. अपने खर्च पर लगाम लगाएं. फ्यूचर के लिए बचत पर ध्यान जरूर दें. देखभाल को प्राथमिकता दें.

■ **मिथुन**: 3 दिसंबर के दिन सिंगल मिथुन राशि के जातकों को किसी स्पेशल इंसान से मुलाकात होगी. कोई भी बड़ा निर्णय लेने से पहले अपने विकल्पों पर विचार अवश्य कर लें. फालतू की खरीदारी से बचें.

■ **कर्क**: 3 दिसंबर के दिन में आय में वृद्धि के अप्रत्याशित अवसर आपके सामने आ सकते हैं. आपका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य आपस में जुड़े हुए हैं. नए अनुभवों के लिए खुद को तैयार रखें.

■ **सिंह**: 3 दिसंबर के दिन में अपने पार्टनर से ईमानदारी के साथ बात करें. करियर में नई चुनौतियों का सामना करें क्योंकि इससे बड़ी सफलता मिलेगी. आज आपकी आर्थिक स्थिति आशाजनक दिख रही है.

■ **कन्या**: 3 दिसंबर के दिन में फालतू के खर्चों से बचें. थोड़ी बहुत दिक्कतें आ सकती हैं, जिसे आप अपनी सूझ-बूझ के साथ आसानी से निपटा लेंगे. अपने इंट्यूशन को फॉलो करें और ओपन माइंडेड रहें.

■ **तुला**: 3 दिसंबर के दिन में अपनी गट फीलिंग को ट्रस्ट करें और रिस्क लें. सरप्राइज के लिए तैयार रहें और अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलें. आप रिजल्ट्स से आश्चर्यचकित हो सकते हैं. रिश्तों में संतुलन बनाए रखने का समय है.

■ **वृश्चिक**: 3 दिसंबर के दिन पूरे दृढ़ संकल्प के साथ सफलता की राह पर चलें. चाहे वह प्यार, काम या धन का मामला हो, वृश्चिक राशि वालों को आत्मविश्वास और ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सितारे एक साथ हैं.

■ **धनु**: 3 दिसंबर को उत्साह और अप्रत्याशित मोड़ से भरे दिन के लिए तैयार हो जाइए, धनु राशि. आपका इंट्यूशन हाई रहने वाला है. चाहे कुछ नया प्रयास करना हो या नया रास्ता अपनाना हो, आज का दिन बदलाव को अपनाने और नए अवसरों का स्वागत करने का है.

■ **मकर**: 3 दिसंबर के दिन में भाग्य आपके साथ है. स्वयं के प्रति सच्चे रहकर और अपने प्राकृतिक उपहारों को अपनाने से, मकर राशि वालों को पता चलेगा की आज आकाश ही उनकी सीमा है.

■ **कुंभ**: 3 दिसंबर के दिन सरप्राइज के लिए रहें तैयार. याद रखें की आपके पास हर वह पावर है, जिससे आप किसी भी मुश्किल को आसानी से सॉल्व कर सकते हैं. आपको मदद की जरूरत हो तो मदद मांगने से न डरें.

■ **मीन**: 3 दिसंबर का दिन आपके लिए आश्चर्य, चुनौतियों और विकास के अवसरों से भरा रहेगा. मीन राशि के विद्यार्थियों को आज पढ़ाई पर फोकस करने की जरूरत है. आज आप स्ट्रांग और कॉन्फिडेंट महसूस करेंगे.

मिसाल कायम करने वाला फैसला

उच्चतम न्यायालय ने 25 नवंबर के अपने एक निर्णय में पूर्व सैन्य अधिकारी को कोई राहत नहीं दी. शीर्ष अदालत ने अधिकारी की बर्खास्तगी पर मुहर लगाने वाले दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा है. मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जायमाल्य बागची ने अपीलकर्ता सैन्य अधिकारी सैमुअल कमलेसन के कृत्य को घोर अनुशासनहीनता माना और कहा कि वह सेना में रहने लायक नहीं है. अदालत ने कहा कि अधिकारी ने अपनी धार्मिक मान्यता को वरिष्ठ अधिकारी के दायित्व से भी ऊपर रखा जो "स्पष्ट रूप से अनुशासनहीनता का कार्य" था. सैन्य अधिकारी को तैनाती स्थल पर बने मंदिर के गर्भगृह में जाकर रेजीमेंट की धार्मिक गतिविधियों में हिस्सा लेने से इन्कार करने पर बर्खास्त किया गया था.

सैन्य अधिकारी ने अपने ईसाई पंथ का हवाला देते हुए मंदिर की धार्मिक गतिविधियों में हिस्सा लेने से मना कर दिया था, जिसे अनुशासनहीनता माना गया. कमलेसन को 2021 में बर्खास्त किया गया था. उन्होंने 2017 में कमीशन प्राप्त किया था. वह तीन कैवेलरी की एक सिख स्क्वाड्रन में तैनात थे. कमलेसन ने दावा किया कि उनका यह विरोध न केवल उनके ईसाई विश्वास के प्रति सम्मान का प्रतीक था, बल्कि अन्य सैनिकों की धार्मिक भावनाओं का भी सम्मान था, ताकि उनके अनुष्ठानों में भाग लेने से किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस न पहुंचे. उन्होंने यह भी तर्क किया कि उनके सैनिकों को इस पर कोई आपत्ति नहीं थी और न ही इससे उनके साथ उनके मजबूत संबंधों पर कोई असर पड़ा. हालांकि अदालत में उनकी ये दलीलें कहीं नहीं टिक पाईं.

इसमें कोई संदेह नहीं है कि कमलेसन का दृष्टिकोण रेजीमेंट का माहौल खराब करने वाला था. इससे यूनिट की एकता और सैनिकों के मनोबल पर भी असर पड़ सकता था. इसलिए उनकी बर्खास्तगी बिल्कुल तार्किक है. उच्चतम न्यायालय ने भी कमलेसन को आड़े हाथों लिया कि, 'वह किस प्रकार का संदेश भेज रहे हैं? एक सेना अधिकारी द्वारा गंभीर अनुशासनहीनता. वह एक उत्कृष्ट अधिकारी हो सकते हैं, लेकिन भारतीय सेना के लिए अयोग्य हैं.' यह विस्मृत न किया जाए कि भारतीय सेना अपने मूल्यों, नैतिकता और परंपराओं द्वारा परिभाषित होती है. सेना भले ही विविधता से भरा एक विशाल संगठन हो, लेकिन यूनिट ही उसका वह मूलाधार है, जिसे उसका आत्मा कहा जाता है. कुछ यूनिट किसी वर्ग या समुदाय पर आधारित होती हैं. जैसे सिख, जाट, राजपूत, डोगरा और गोरखा रेजीमेंट. ये अपने सैनिकों के पूजा स्थलों के साथ ही उनकी मान्यताओं का भी ध्यान रखती हैं. आज आर्मर्ड कोर में निश्चित वर्ग संरचना वाली रेजीमेंट और मिश्रित वर्ग संरचना वाली रेजीमेंट का एक संतुलित मिश्रण भी देखने को मिलता है. इसके जरिये एक दूसरे से सीखने का जो लाभ मिलता है, वह कार्य संचालन में भी उपयोगी साबित होता है. सशस्त्र बलों में धर्म जुड़ाव की एक कड़ी के रूप में होता है. देखा जाए तो सभी सैन्य इकाइयों का मूल कार्य सामरिक तत्परता और शांति काल में उसके लिए तैयारी एवं प्रशिक्षण है.

नाटक 'लक्ष्मीदर्शन'...आयोग की सुनियोजित गड़बड़ी

राज्य चुनाव आयोग ने ही साबित कर दिया है कि उसका दिमाग सही ठिकाने नहीं है. चुनाव आयोग ने राज्य के १२ जिलों में नगरपालिकाओं और नगरपंचायतों के चुनाव की तारीख आगे बढ़ा दी है, जबकि चुनाव बस कुछ ही घंटे दूर है. आयोग को इतनी जल्दबाजी में चुनाव आगे बढ़ाने का कोई अधिकार नहीं है. यह आश्चर्यजनक है कि मुख्यमंत्री फडणवीस ने चुनाव आयोग पर गलत तरीके से काम करने का आरोप लगाया. २४६ नगरपालिकाओं और ४२ नगर पंचायतों के चुनावों के लिए मतदान २ दिसंबर को और मतगणना * दिसंबर को होनी थी. अब, अदालती वजहों का हवाला देते हुए १२ जिलों में मतदान २० दिसंबर को होगा और परिणाम २१ दिसंबर को घोषित किए जाएंगे. यह चुनाव आयोग द्वारा जानबूझकर की गई गड़बड़ी है. मुख्यमंत्री ने इस गड़बड़ी के बारे में आयोग के कान उमेठे हैं, लेकिन क्या चुनाव आयोग, जो मुख्यमंत्री के अधीन बिल्ली है, मुख्यमंत्री की अनुमति के बिना चुनाव की तारीख आगे बढ़ा सकता है? फिर राज्य में नगरपालिकाएं शहरी विकास विभाग के अंतर्गत आती हैं. तो क्या ऐन वक्त पर कुछ चुनावों को आगे धकेलने की गड़बड़ी के पीछे शहरी विकास विभाग की कोई भूमिका है? यह भी एक संदेह व्यक्त किया जा रहा है.

'वोट चोरी' को पकड़ना सिर्फ चुनावी मुद्दा नहीं!

पिछले दस-बारह दिनों से हम मुंबई की कई शाखाओं में जाकर मुंबई की प्रारूप मतदाता सूची पर काम कर रहे हैं. शिवसैनिक और सभी संबद्ध संगठन घर-घर जाकर डुप्लीकेट, हटाए गए मतदाता और सूचियों में मौजूद गड़बड़ियों को खोजकर इस पूरे विषय पर गहराई से काम कर रहे हैं. 'वोट चोरी' पकड़ना सिर्फ चुनावी मुद्दा नहीं, बल्कि चुनाव की सबसे आवश्यक प्राथमिक प्रक्रिया है. इस तरह सोशल मीडिया 'एक्स' पर दो टूक शब्दों में शिवसेना नेता, युवासेनाप्रमुख व विधायक आदित्य ठाकरे ने चेताया. उन्होंने अपील करते हुए कहा कि मैं सभी से आग्रहपूर्वक अनुरोध करता हूं कि नागरिक के तौर पर अपना नाम मतदाता सूची में है या नहीं, यह अवश्य जांच लें. ठेकेदारों के लिए रची गई 'तपोवन' के पेड़ काटने की साजिश! आदित्य ठाकरे का हमला हमारी सरकार के दौरान जनवरी २०२२ में पर्यावरण मंत्री के रूप में मैंने नासिक के बरगद के पेड़ को बचाया था और अंजनी पर्वत की वनस्पतियों को भी 'विनाशवादी ठेकेदार-प्रेमियों' के हाथ नहीं लगने दिया था, क्योंकि प्रकृति की रक्षा ही असली कर्तव्य है! नासिक में वृक्ष-लताओं से सजे तपोवन में प्रस्तावित 'साधु ग्राम' के नाम पर सैकड़ों पेड़ काटने की योजना सरकार ने बनाई है. इस मुद्दे पर आदित्य ठाकरे ने सरकार को जमकर फटकार लगाई है. आदित्य ठाकरे ने अपने 'एक्स' पोस्ट में कहा कि 'न जंगल से प्यार, न धर्म से, सिर्फ चुने हुए ठेकेदारों के हित के लिए नासिक के तपोवन के पेड़ काटने का खेल रचा गया है.

गहन मतदाता पुनरीक्षण को लेकर दबाव

देश के बारह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में गहन मतदाता पुनरीक्षण यानी एसआइआर को लेकर उठा विवाद लोकतांत्रिक व्यवस्था की सेहत के लिए ठीक नहीं माना जा रहा है. मतदाता सूचियों में संशोधन पहले भी होता रहा है, लेकिन एसआइआर की प्रक्रिया पर जो सवाल उठाए जा रहे हैं, उससे अब तीन मोर्चों पर संघर्ष शुरू होता नजर आ रहा है. पहला मानवीय स्तर पर, दूसरा कानूनी और तीसरा राजनीतिक नफा-नुकसान के तराजू पर भी इस प्रक्रिया को तौला जा रहा है. सवाल है कि इस विवाद का हल कैसे होगा? इसको लेकर अदालत में भी मामले दायर किए गए हैं, लेकिन जाहिर है कि अदालती प्रक्रिया लंबी होती है और इसमें तत्काल फैसला आने की उम्मीद नहीं की जा सकती. बूथ स्तरीय अधिकारियों पर काम का अत्यधिक दबाव होने और कुछ के आत्महत्या कर लेने की खबरों के बीच निर्वाचन आयोग ने एसआइआर की प्रक्रिया की समय सीमा एक सप्ताह बढ़ाकर समस्या के निराकरण की दिशा में कदम बढ़ाया है, लेकिन क्या सात दिन का यह समय पर्याप्त है? क्या इससे जमीनी स्तर पर काम करने वाले अधिकारियों पर वास्तव में दबाव कम हो पाएगा? एसआइआर की समय सीमा एक सप्ताह बढ़ाने का फैसला एसआइआर को लेकर उठे विवाद में एक अफसोसजनक पहलू यह है कि बूथ स्तरीय अधिकारी निर्धारित समय सीमा में काम के दबाव को सहन नहीं कर पा रहे हैं. गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश से ऐसे अधिकारियों की मौतों और इस्तीफों की कई खबरें आ चुकी हैं. वहीं प्रशासन की सख्ती से कुछ राज्यों में इन अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी तक दर्ज की गई है और कुछ को निलंबित कर दिया गया है. दबाव की अति की इस स्थिति में कर्तव्य और सख्ती के बीच की रेखा धुंधली नजर आने लगी है. निर्वाचन आयोग ने पिछले दिनों प्रशासनिक अधिकारियों से वस्तुस्थिति पर रपट मांगी थी, जिसके बाद रविवार को आयोग ने एसआइआर की समय सीमा एक सप्ताह बढ़ाने का फैसला किया.

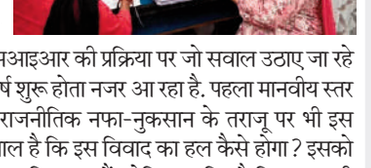

जनसंवाद नेटवर्कस् प्रा. लि. हेतु राष्ट्रबाण (प्रेस) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एन.जी.दंडारे द्वारा यह मुद्रित कर दूसरी मंजिल, पाध्ये हाउस, एमजी हाउस के सामने, सिविल लाइंस, 440001 से प्रकाशित. प्रधान संपादक - *एन.जी.दंडारे *पी. आर. बी. कानून के तहत संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार ■ इस पत्र में प्रकाशित विज्ञापन, लेख व समाचारों में व्यक्त विचार व्यक्तिगत है. उनसे हमारा सहमत-असहमत होना जरुरी नहीं. RNI Reg. No. HIN/72804 ■ फोन नं. 9834876411, rashtrabaanngp@gmail.com

बंगाल में SIR के 'डर' से बंगाल में 39 मौत

राष्ट्रबाण

CM ममता ने किया 2-2 लाख की मदद का ऐलान

सरकारी रिपोर्टों के अनुसार, BLOs पर काम का दबाव भी एक बड़ा मुद्दा बनकर सामने आया है. ममता बनर्जी ने कहा कि ऐसे चार मामलों में मौत की जानकारी मिली है, जिनमें से दो परिवारों को सरकार पहले ही वित्तीय सहायता दे चुकी है. नबन्ना में राज्य सरकार के 14 साल के विकास कार्यों की समीक्षा के बाद उन्होंने कहा कि जनता की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है और SIR से जुड़े हर मामले की निगरानी की जा रही है.

नई दिल्ली. शभर के कई राज्यों में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानि SIR की प्रक्रिया चल रही है. पश्चिम बंगाल में इसे लेकर जमकर विवाद हो रहा है. बंगाल सरकार केंद्र पर गंभीर आरोप लगा रही है. इन सब के बीच मंगलवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि प्रदेश में चल रहे SIR की प्रक्रिया पर गंभीर चिंता जताते हुए दावा किया कि इसकी वजह से फैले डर और तनाव के कारण 39 लोगों की मौत हो चुकी है.

मृतकों में चार बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) भी शामिल हैं. मुख्यमंत्री ममता ने बताया कि हर मृतक परिवार को सरकार दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता देगी.

मुख्यमंत्री ने बताया कि SIR शुरू होने के बाद कई जगहों पर लोग घबराहट और मानसिक तनाव में आ गए. सरकार ने इसका मूल्यांकन किया है, जिसके अनुसार - 4 नवंबर से शुरू हुए इस अभियान ने आम जनता में अनिश्चितता और डर का माहौल बना दिया है. ममता ने कहा कि 39 लोगों की मौतों में आत्महत्याएं भी शामिल हैं.

उन्होंने बताया कि 13 अन्य लोग, जिनमें तीन BLO भी हैं, अपनी ड्यूटी के दौरान अचानक गिर पड़े या गंभीर रूप से बीमार हो गए. इन सभी को एक-एक लाख रुपये की सहायता दी जाएगी.

पेंशन क्यों नहीं बढ़ाती है सरकार?

राष्ट्रबाण

संसद में पूछा सवाल- मंत्री ने दिया दो टूक जवाब

नई दिल्ली. कर्मचारी पेंशन योजना (EPS-95) के तहत पेंशन में बढ़ोतरी की उम्मीदें इस बार भी पूरी होती हुई नहीं दिख रही है. सरकार ने साफ तौर पर कहा है कि है मिनिमम मंथली पेंशन को मौजूदा 1000 रुपये से बढ़ाकार 7500 रुपये करने पर विचार नहीं कर रही है. श्रम और रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने सोमवार को लोकसभा में एक रिटेन में जवाब दिया. सांसद बाल्या मामा सुरेश गोपीनाथ म्हात्रे के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि EPS फंड एक्चुरियल तनाव में है. उन्होंने कहा कि 31 मार्च 2019 तक फंड के वैल्यूवेशन के अनुसार इसमें एक्चुरियल घाटा है. उन्होंने संकेत दिया कि यह घाटा इस समय पेंशन लाभ बढ़ाने की सरकार की क्षमता को सीमित करता है. EPS-95 की संरचाना के बारे में बताते हुए मंत्री ने इसे तय कंट्रीब्यूशन प्रॉफिट सामाजिक सुरक्षा योजना बताया. उन्होंने कहा कि पेंशन फंड दो हिस्सों से बना है, पहला- नियोक्ता का कंट्रीब्यूशन सैलरी का 8.33 फीसदी और केंद्र सरकार का कंट्रीब्यूशन सैलरी का 1.16 फीसदी, जो 15000 रुपये प्रति मा की सैलरी लिमिट तक है. सभी लाभ वर्तमान और भविष्य, इन्हीं चीजों से दिए जाते हैं.मंत्री का यह जवाब पेंशनस यूनियन्स द्वारा मिनिमम पेंशन में संशोधन की बढ़ती मांग के बीच आया है, जो महंगाई में लगातार बढ़ोतरी के बावजूद सालों से स्थिर बनी हुई है.

सरकार ने क्या दिया जवाब?

करंदलाजे ने कहा कि सरकार 1,000 रुपये की न्यूनतम पेंशन सुनिश्चित करने के लिए पहले से ही पर्याप्त बजट वाली सहायता दे रही है. उन्होंने संशोधनों की कोई समय-सीमा बताए बिना कहा कि भारत सरकार ईपीएस-95 योजना के तहत कर्मचारियों को अधिकतम लाभ सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें संबंधित फंड का स्टेटस और भविष्य की देनदारियों को ध्यान में रखा जाता है.

फास्ट ट्रैक

ये क्या हुआ? आज अचानक भरभराकर गिर गए सोना-चांदी के दाम

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. सोना-चांदी की कीमतों में एक बार फिर से बड़ी गिरावट (Gold-Silver Price Crash) आई है. बीते कुछ दिनों से गोल्ड-सिल्वर दोनों कीमती धातुओं के भाव तूफानी रफ्तार से बढ़ रहे थे, लेकिन मंगलवार को ये भर-भराकर टूटे. खास बात ये है कि चांदी ने बीते कारोबारी दिन सोमवार को ही अपना नया लाइफ टाइम हाई लेवल छुआ था और MCX पर अब इसका भाव हाई से करीब 4600 रुपये प्रति किलो से ज्यादा टूट गया. वहीं बात Gold Rate की करें, तो ये 1100 रुपये प्रति 10 ग्राम से ज्यादा सस्ता हुआ है.

MCX पर चांदी का भाव फिसला

सबसे पहले बताते हैं चांदी की कीमत में आई गिरावट (Silver Rate Fall) के बारे में, तो मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर मंगलवार को चांदी ने अपने पिछले बंद के मुकाबले गिरावट के साथ कारोबार शुरू किया था. सोमवार को ये 1,82,030 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी, लेकिन आज ये टूटकर 1,77,372 रुपये प्रति किलोग्राम के लेवल तक आ गई. इस हिसाब से देखें, तो चांदी की कीमत में कल के हाई के मुकाबले अचानक 4658 रुपये प्रति किलो की गिरावट आई है.

Gold की कीमत भी घटी

अब बात Gold Rate की करें, तो एमसीएक्स पर 5 फरवरी की एक्सपायरी वाले सोने का भाव अपने पिछले बंद 1,30,652 रुपये की तुलना में गिरावट के साथ ओपन हुआ था और इसमें कारोबार बढ़ने के साथ ही तेज गिरावट आती गई. खबर लिखे जाने तक ये MCX Gold Price 1,29,355 रुपये तक टूट गया था.

'दरगाह किसी के बाप की नहीं, यह इस्लामिक संस्था है...'

राष्ट्रबाण

अजमेर में लाइसेंस विवाद पर भड़के सरवर चिश्ती

अंजुमन कमेटी के सचिव सैयद सरवर चिश्ती ने कहा, "यह दरगाह किसी के बाप की नहीं. यह ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह इस्लामिक संस्था है और यह आज की नहीं, मुगल सल्तनत के दौरान बनाई गई है. इसमें किसी का अधिकार नहीं. यह खादिमों की है. यह अन्य संस्थाओं की तरह नहीं है. सभी धर्म और संप्रदाय के लोग यहां अपने आस्था रखते हैं. इस तरह की फरमान कभी भी जारी नहीं होने दिए जाएंगे. केवल अपने हिसाब से दरगाह कमेटी फैसला नहीं ले सकती, जिसे कभी भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. उन्हें जबरन परेशान नहीं किया जाए. अल्पसंख्यक विभाग के नुमाइश पर पैसा खर्च नहीं करते बल्कि दरगाह से उनके पास पैसा जाता है.

अजमेर. अजमेर ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह में जियारत करने के लिए खादिमों को दरगाह कमेटी से लाइसेंस लेने की बात को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है. इस प्रक्रिया से पहले ही अजमेर दरगाह अंजुमन कमेटी की ओर से कड़ा रुख अपनाते हुए इसे गलत बताया है.

सरवर ने कहा कि दरगाह में अतिक्रमण को लेकर भी विवाद खड़े होते हैं. लेकिन इससे कोई समझता नहीं. दरगाह के स्थान में कैमरे लगाने की बात हो रही है लेकिन वहां हम ध्यान रखेंगे या कर्मचारी रखेंगे यह भी होना चाहिए. ऐसे तुगलक की फरमान नहीं चलेंगे, न ही लाइसेंस लिए जाएंगे. दरगाह के नियमों की बात होती है लेकिन उस पर अमल नहीं होता. न खादिमों से कभी पूछा जाता है और न ही उनके मेंटेनेंस रजिस्टर को देखा जाता है. खादिम समुदाय को मजाक समझ रखा है. हमेशा उससे पहले इस तरह की कदम उठाए जाते हैं." उन्होंने चेतावनी वाले स्वर में कहा कि समुदाय के लाखों में अनुयाई है और

राजस्थान के 6 जिलों के कलेक्टर के नाम पर फ्रॉड

राष्ट्रबाण

चित्तौड़गढ़, झालावाड़ से लेकर कोटा तक हड़कंप

जयपुर. राजस्थान में साइबर ठगों ने धोखाधड़ी का ऐसा तरीका अपनाया है, जिसने प्रशासनिक ढांचे को झकझोर दिया है. महज 48 घंटे के भीतर चित्तौड़गढ़, झालावाड़, प्रतापगढ़, डूंगरपुर, कोटा और बारां इन छह जिलों के कलेक्टरों की तस्वीरें लगाकर फर्जी व्हाट्सऐप अकाउंट तैयार किए गए और अधिकारियों को संदिग्ध मैसेज भेजे गए. ठगों ने सबसे पहले चित्तौड़गढ़ कलेक्टर आलोक रंजन की तस्वीर का उपयोग करके एक फर्जी आईडी बनाकर एसडीएम व बीएलओ को संदेश भेजे गए.

मामले का पता लगते ही कलेक्टर रंजन ने तुरंत पुलिस को अवगत कराया और सोशल मीडिया पर स्टेटस डालकर सभी अधिकारियों और आमजन से सतर्क रहने की अपील की. उसी दिन तीन अन्य जिलों के कलेक्टरों की नकल की गई प्रोफाइल भी सामने आ गईं, जबकि रविवार को दो और कलेक्टरों की फर्जी आईडी तैयार कर भेजी जा चुकी थीं.

फर्जी अकाउंट्स पर क्या लिखा गया : साइबर ठगों ने झालावाड़ कलेक्टर अजय सिंह राठौड़, प्रतापगढ़ कलेक्टर अंजलि राजोरिया, डूंगरपुर कलेक्टर अंकित कुमार सिंह, कोटा कलेक्टर पीयूष समारिया और बारां कलेक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर की फोटो लेकर नकली प्रोफाइल बनाई. सभी फर्जी अकाउंट्स पर "District Collector" लिखकर एक जैसा अंग्रेज़ी संदेश भेजा गया- "Hello, How are you doing, Where are you at moment?"

नंबर वियतनाम का निकला

चित्तौड़गढ़ कलेक्टर आलोक रंजन ने बताया कि उनकी फोटो का इस्तेमाल करते हुए कई अधिकारियों को अलग-अलग नंबरों से मैसेज भेजे गए. वहीं बारां कलेक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने कहा कि उनकी तस्वीर तो सही है, लेकिन नंबर वियतनाम का है. इस पर उन्होंने शिकायत दर्ज कराई है और साइबर सेल जांच में जुटी है. कोटा कलेक्टर पीयूष समारिया ने भी पूरे मामले की जानकारी मिलते ही अपने अधीनस्थों को किसी तरह के लेन-देन से बचने की हिदायत देते हुए थाने में शिकायत दी.

AAP नेता अवध ओझा ने राजनीति से संन्यास का ऐलान किया

अरविंद केजरीवाल को बताया महान नेता

राष्ट्रबाण

UPSC शिक्षक और मोटिवेशनल स्पीकर अवध ओझा ने मंगलवार को राजनीति से संन्यास का ऐलान कर दिया. यह फैसला उन्होंने तब लिया जब राजनीति में आए उन्हें अभी केवल दस महीने ही हुए थे. ओझा इस साल हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की ओर से पटपड़गंज सीट से चुनाव लड़े थे, लेकिन उन्हें भारी अंतर से हार का सामना करना पड़ा था.

अवध ओझा ने राजनीति से संन्यास का ऐलान किया : ओझा ने पटपड़गंज के लोगों का भी धन्यवाद किया और कहा कि उन्हें वहां के लोगों से बहुत प्यार मिला. इस चुनाव में वे पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जगह मैदान में उतरे थे. सिसोदिया 2013, 2015 और 2020 में पटपड़गंज सीट से विजयी रहे थे.

अवध ओझा ने राजनीति से दूरी बनाने की घोषणा की

अवध ओझा ने X पर एक पोस्ट लिखकर राजनीति से दूरी बनाने की घोषणा की. उन्होंने लिखा कि अरविंद जी, मनीष जी, संजय जी और आम आदमी पार्टी के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं द्वारा दिए गए सम्मान के लिए वे आभारी हैं. उन्होंने कहा कि राजनीति से संन्यास लेना उनका निजी निर्णय है. ओझा ने अरविंद केजरीवाल को महान नेता बताते हुए जय हिंद लिखा.

इमरान खान पर अब खत्म होगा सस्पेंस

राष्ट्रबाण

बहन को मुलाकात की इजाजत मिली

नई दिल्ली. पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान कहां गए? वो सही सलामत हैं भी या नहीं. 4 नवंबर के बाद से परिवार के किसी सदस्य ने या फिर उनके किसी वकील ने उनसे अदियाला जेल में मुलाकात नहीं की है. इस वजह से ही आज मंगलवार को पाकिस्तान में इस्लामाबाद हाईकोर्ट और रावलपिंडी में अदियाला जेल के बाहर इमरान खान की बहनों और समथर्कों ने भारी विरोध प्रदर्शन किया.

स्थानीय रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रदर्शनों के बाद इमरान की एक बहन को मुलाकात करने की अनुमति मिल गई है. ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि शायद अब इमरान खान की सेहत को लेकर चल रहा सस्पेंस खत्म हो जाएगा.

दरअसल, इस्लामाबाद हाईकोर्ट के बाहर पाकिस्तानी तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) के कार्यकर्ताओं, सांसदों और नेताओं की भारी भीड़ जुटी और सरकार के खिलाफ नारे लगाए. एक PTI प्रदर्शनकारी ने कहा, "यह सरकार अब सो नहीं पा रही. हम इमरान खान को रिहा कराएंगे. जब तक इमरान खान की बहनों को मुलाकात की इजाजत नहीं मिलेगी, हम यहीं बैठे रहेंगे."

इससे पहले इमरान खान के बेटे ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स से बातचीत में कहा कि उनके पिता के साथ शायद कुछ ऐसा हुआ है, जिसे बदला नहीं जा सकता है. इस वजह से ही हुकूमत उनसे किसी को मिलने नहीं दे रही है.

अदियाला जेल के बाहर भी भारी प्रदर्शन

कोर्ट के आदेश के बावजूद इमरान खान से उनकी बहनों और वकीलों को मिलने नहीं दिया जा रहा है. वहीं अदियाला जेल के बाहर भी इमरान समर्थकों ने पूर्व पीएम को रिहा करने की मांग को लेकर जबरदस्त प्ररदर्शन किया. इमरान खान की तीनों बहनों- अलीमा खान, नूरीन खान और आजमी खान का शक अब उनकी हालत को लेकर बढ़ रहा है. उनकी तीनों बहनें अदियाला जेल के बाहर चल रहे प्रदर्शन में भी शामिल हुईं.

खैबर पख्तूनख्वा में इमरान की पार्टी की सरकार होगी बर्खास्त?

बता दें कि बीते कई दिनों से न तो इमरान खान की कोई तस्वीर सामने आई है, ना ही उनसे मुलाकात के बाद किसी ने उनके सही-सलामत होने का भरोसा दिया है. पूर्व प्रधानमंत्री को लेकर चल रहे प्रदर्शन के बीच ये खबर भी जोर पकड़ रही है कि खैबर पख्तूनख्वा में इमरान खान की पार्टी की सरकार को बर्खास्त कर राज्यपाल शासन लागू किया जा सकता है. दरअसल, खैबर पख्तूनख्वा के सीएम सोहेल अफरीदी इमरान को रिहा करने के प्रदर्शन में जोर-शोर से अपनी आवाज उठा रहे हैं.

पुतिन के देश का ये शहर को क्यों कहलाता है 'सिटी ऑफ द डेड'

यहां जाने वाला नहीं लौटता!

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 4-5 दिसंबर को भारत आ रहे हैं. कहा जा रहा है कि उनका ये दौरा भारत-रूस संबंधों में नई ऊर्जा भरेगा. देशभर में उनके स्वागत की तैयारियां चल रही हैं. वैसे रूस और भारत के बीच रिश्ता सदियों पुराना है, भारत के लोग अक्सर वहां छुट्टियां मनाने जाते रहें हैं. रूस के कई खूबसूरत लोकेशन भारतीयों को बेहद पसंद आते हैं, लेकिन रूस का एक रहस्यमय शहर भी है, जहां पहुंचना हर किसी के बस की बात नहीं - सिर्फ दिलेर ही हिम्मत जुटा पाते हैं और क्यों आम लोगों को यहां जाने से बचना चाहिए. रूस के इस शहर में हैं छिपे कई रहस्य

रूस के इस शहर का नाम - 'दारगाव्स' है, जिसे 'सिटी ऑफ द डेड' यानी 'मृतकों का शहर' कहा जाता है. यह रूस के सुदूर साउथ-वेस्ट हिस्से में काकेशस पहाड़ों के बीच स्थित है.

दारगाव्स में डरावना जैसा क्या है?

दारगाव्स असल में कोई शहर नहीं है, बल्कि प्राचीन कब्रों और तहखानों का एक कब्रिस्तान है. जहां 14वीं से 18वीं शताब्दी तक के लगभग 99 पत्थर के क्रिप्ट (कब्रें) हैं, जिनमें 10,000 से अधिक लोगों के अवशेष रखे गए हैं. बताया जाता है कि स्थानीय लोग यहां अपने प्रियजनों को उनके कपड़ों और सामानों के साथ दफनाते थे. कब्रें पत्थर की बनी हुई हैं, जो बड़ी ही अनूठी डिजाइन की हैं, इनमें कुछ तो बहुमंजिला हैं.

अक्सर दिसंबर में ही भारत क्यों आते हैं रूस के राष्ट्रपति पुतिन?

राष्ट्रबाण

आखिर क्या है इसकी वजह

नई दिल्ली. रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 4-5 दिसंबर को भारत आ रहे हैं. अगर पिछले 10 साल के दौरान पुतिन के भारत दौरे का पैटर्न देखा जाए, तो ये हमेशा साल के अंत में ही भारत आए हैं. जानते हैं आखिर इसकी वजह क्या है.

भारत में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के दौरे को लेकर तैयारियां की जा रही है. रूसी सेना की एक टीम कई दिन पहले यहां पहुंच चुकी है और सुरक्षा इंतजाम का जायजा ले रही है. पुतिन 4-5 दिसंबर को भारत आने वाले हैं.

अब तक 10 बार भारत का दौरा कर चुके हैं पुतिन : अगर पुतिन के पिछले भारत दौरे की हिस्ट्री देखी जाए, तो वो अक्सर दिसंबर में ही भारत आते हैं. पुतिन अब तक 10 बार भारत के दौरे पर आ चुके हैं. पहली बार वो अक्टूबर 2000 को भारत दौरे पर आए थे. तब दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की थी.

इस वजह से दिसंबर में भारत आते हैं पुतिन : इसके बाद से दिसंबर 2002, दिसंबर 2004, जनवरी 2007, मार्च 2010, दिसंबर 2012, दिसंबर 2014, अक्टूबर 2018 और दिसंबर 2021 में भारत का दौरा कर चुके हैं. कुछ एक मौके को छोड़ दें तो वो अक्सर दिसंबर में ही भारत आए हैं. इसकी वजह ये है कि भारत और रूस का वार्षिक शिखर सम्मेलन दिसंबर में ही आयोजित होता है.

एनुअल समिट के अलावा भी पुतिन आए हैं भारत

रूस के राष्ट्रपति के तौर पर वो हमेशा शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने ही भारत पहुंचे हैं. सिर्फ मार्च 2010 में रूस के प्रधानमंत्री के तौर पर भी भारत आए थे. उस वक्त वो एक ऑफिशियल दौरे पर थे. पुतिन के भारत दौरे के लिए दिसंबर के महीने के चयन के पीछे सिर्फ भारत-रूस एनुअल समिट की तारीख ही वजह है. वैसे भी दिसंबर में भारत में काफी सर्दी रहती है. तापमान काफी नीचे आ जाता है. ऐसे में यह समय रूस जैसे ठंडे देश के ऑफिशियल दौरे के लिए मुफीद होता है.

संघ के 100 साल: 40 हजार शरणार्थी आ चुके थे पुंछ शहर में

ब्रिगेडियर प्रीतम सिंह ने पुंछ बचाने के लिए रातों-रात एयरस्ट्रिप बनाई

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. आपने 2021 में रिलीज हुई अजय देवगन की फिल्म 'भुज' देखी होगी, जिसमें 1971 के युद्ध में 300 महिलाओं की मदद से एयरफोर्स स्क्वाड्रन लीडर विजय कार्णिक ने भुज में रातोरात बर्बाद एयरस्ट्रिप को दोबारा बनाकर युद्ध का पासा पलट दिया था. आम लोगों की मेहनत की इस कहानी के नायक बने एयरफोर्स के ऑफिसर, वो भी तब जब किसी ने उन पर फिल्म बनाई. भारत के इतिहास में ऐसी तमाम कहानियां हैं, जिनका श्रेय हमेशा नायक को ही मिला, लेकिन उनकी सहायता करने वाले लोगों की चर्चा नहीं होती. इसी तरह ना कभी श्रीनगर एयरपोर्ट से सेना के डकोटा प्लेन उतारने के लिए बर्फ हटाने वाले, सेना संग एयरपोर्ट की सुरक्षा करने वाले स्वयंसेवकों को श्रेय मिला और ना ही पुंछ में ब्रिगेडियर प्रीतम सिंह के साथ मिलकर रातोरात गांव की पतली पगडंडी को एयरस्ट्रिप में बदल देने वाले स्वयंसेवकों को ही.

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लोगों में ये हमेशा चर्चा होती रही है कि बंटवारे के दौरान या युद्धों के दौरान संघ के स्वयंसेवकों की भूमिका कभी उभर कर नहीं आई. उन्हीं में से थी पुंछ के स्वयंसेवकों की भूमिका. पुंछ जिला सीमावर्ती जिला है और उस दौर में भी यहां पांच लाख की जनसंख्या में से 90 हजार हिंदू थे. 1942 में यहां पहली बार संघ के स्वयंसेवकों सूर्यप्रकाश खड़वाल, और मीरपुर के कार्यवाह विश्वनाथ बख्शी के प्रयासों से शाखा शुरू हुई. शुरुआती स्वयंसेवकों में बद्रीनाथ कपाही सुरेन्द्र नाथ फूल, श्रीनिवास शर्मा, ओमप्रकाश गुप्त आदि इस शाखा की नींव के पत्थर बने. बाद में रूपलाल अधिवक्ता को नगर कार्यवाह और ओमप्रकाश गुप्त को मुख्य शिक्षक बनाया गया. लेकिन अमृत सागर नाम के नौजवान ने इन सबसे ज्यादा असर छोड़ा. इतनी तेजी से पुंछ और उसकी तहसीलों में संघ का कार्य विस्तार हुआ कि लोग हैरान रह गए. पाकिस्तान बनने से पहले पुंछ और मीरपुर रावलपिंडी विभाग के तहत आते थे, लेकिन बाद में यह क्षेत्र जम्मू विभाग से जोड़ दिया गया. इधर अमृत सागर को सायं शाखाओं का प्रभारी बना दिया गया. अमृत सागर को ये भी काम सौंपा गया कि जिला केन्द्र से दूर रहने वाले हिंदुओं को सावधान किया जाए, क्योंकि ना पाकिस्तानी सेना की नीयत साफ थी और ना कबाइलियों की. पाकिस्तान की सीमा से छुटपुट हमले शुरू हो चुके थे.

जापान की कैद से भागे प्रीतम सिंह ने बचाया था पुंछ

इस कहानी के नायक प्रीतम सिंह की कहानी भी काफी दिलचस्प है. प्रीतम फिरोजपुर (पंजाब) के दीना में पैदा हुए थे. उनको 1938 में सिकंदराबाद में 4/19 हैदराबाद रेजीमेंट में कमीशन मिला था. इस रेजीमेंट को आज 4 कुमायूं रेजीमेंट के नाम से जाना जाता है. अगले ही साल दूसरा विश्व युद्ध छिड़ गया और अंग्रेजी सेना कमांडरों ने प्रीतम सिंह को 12, इंडियन इन्फ्रेंट्री ब्रिगेड के साथ सिंगापुर भेज दिया. 8 दिसंबर 1941 को जब वो सिंगापुर में ही 3/16 पंजाब रेजीमेंट में कैप्टन थे, जापानियों से लोहा लेने के लिए उत्तरी मलाया भेज दिए गए.

लकड़ी के पुल में लगी आग तो जुट पड़े स्वयंसेवक

अपनी किताब Poonch, India's Invincible Citadel (लांसर्स पब्लिशर्स) में ब्रिगेडियर जे एस ग्रेवाल लिखते हैं कि इधर कबाइलियों ने जब देखा कि ये लोग नहीं रुकेंगे तो रास्ते में पड़ने वाले लकड़ी के पुल में भी आग लगा दी. प्रीतम फिर भी नहीं रुके. एक वैकल्पिक रास्ते की तलाश की गई और 419 जवानों और रसद के कुछ वाहनों को लेकर 21 नवम्बर की आधी रात को पुंछ पहुंचने में कामयाब हो ही गए. उस वक्त पुंछ को पूरी तरह भारत से काट दिया गया था. सो जब उन्होंने श्रीनगर मुख्यालय में खबर की तो किसी को यकीन ही नहीं हुआ. लेकिन माणिक चंद्र बाजपेयी और श्रीधर पराडकर की किताब 'ज्योति जला निज प्राण की' में बताया गया है कि पुंछ से 13 किमी दूर छाजन नाम के नाले पर डोगरा सरकार का बनवाया हुआ लकड़ी का पुल था. जिसकी सुरक्षा सेवानिवृत्त सैनिकों के साथ सूबेदार ब्रजलाल कर रहे थे.

नासिक का स्वच्छ गोदावरी बांड NSE पर लिस्टेड

राष्ट्रबाण

मुंबई. दक्षिणी गंगा, गोदावरी की स्वच्छता में नागरिकों और निवेशकों की सहज भागीदारी अत्यंत सराहनीय है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'विकास भी, विरासत भी' का संदेश हमारा मार्गदर्शक है. कुंभ मेले की पवित्रता बनाए रखी जाएगी और विकास के साथ-साथ ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण भी किया जाएगा, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा.

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नासिक महानगरपालिका के 'स्वच्छ गोदावरी बॉन्ड' को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध किया . इस अवसर पर मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल, नगर विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. के.एच. गोविंदराज, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के प्रबंध निदेशक आशीष चौहान, 'मित्र' के सीईओ प्रवीण परदेशी, विभागीय आयुक्त प्रवीण गेडाम, कुंभ मेला आयुक्त शेखर सिंह और नासिक महानगरपालिका आयुक्त मनीषा खत्री उपस्थित थे.

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि कुंभ मेले के लिए विकास कार्य किए जा रहे हैं और राज्य सरकार ने शहरी विकास विभाग के माध्यम से कुंभ मेले से पहले आवश्यक कई बुनियादी ढाँचे के काम शुरू किए हैं और कुंभ मेले की पवित्रता को बनाए रखते हुए विकास को आगे बढ़ाया जाएगा.

कुंभ पूर्व बुनियादी विकास को मिलेगा खुले बाज़ार से वित्तीय बल

निवेशकों से भारी प्रतिक्रिया

मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे पहले, पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम भी खुले वित्तीय बाजार से बॉन्ड के ज़रिए धन जुटा चुके हैं . नासिक नगर निगम के 'स्वच्छ गोदावरी बॉन्ड' को निवेशकों से मिली चौगुनी प्रतिक्रिया स्थानीय स्वशासन निकाय की वित्तीय क्षमता, रेटिंग और पारदर्शी प्रक्रिया का प्रमाण है . फडणवीस ने कहा कि राज्य के 15 नगर निगम नियामक प्रक्रिया के ज़रिए कुछ योग्यताएँ और नियामक मंज़ूरियाँ पूरी करके विकास के लिए धन जुटाने में सक्षम हैं .

ऊर्जा क्षेत्र की कंपनियां नेशनल स्टॉक क्सचेंज में सूचीबद्ध होंगी

इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, ऊर्जा क्षेत्र की महत्वपूर्ण कंपनियों की क्षमता बढ़ाने के लिए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से बड़ी मात्रा में धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी . पहले चरण में, देश की प्रमुख बिजली कंपनियों, महापारेषण (एमएसईटीसीएल), उसके बाद महावितरण और महानिर्मित, को सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी . इस प्रक्रिया में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का अनुभव बहुत मददगार साबित होगा, उन्होंने यह भी बताया.

बदलापुर के बाद रायगढ़ में बवाल

राष्ट्रबाण

मुंबई. महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनाव में महायुति के दो सहयोगी दलों के कार्यकर्ताओं के बीच लगातार बवाल की खबरें सामने आ रही हैं. बदलापुर के बाद अब रायगढ़ जिले के महाड शहर में भी महायुति के शिवसेना और एनसीपी के कार्यकर्ता आपस में भीड़ गए. समर्थकों के बीच हुई इस हिंसक झड़प में कुछ वाहनों को भी नुकसान हुआ है. मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को खदेड़ दिया.

बताया जा रहा है कि एनसीपी और शिवसेना का कार्यकर्ताओं में उस वक्त मारपीट हो गई, जब सुशांत जाफरे नवे नगर परिसर स्थित मतदान केंद्र पर पहुंचे. वहां पहले से मौजूद शिवसेना के मंत्री भारत गोगवाल के भतीजे विकाल गोगावले और उनके समर्थक मौजूद थे. हाल ही में सुशांत शिवसेना को छोड़कर अजित पवार की एनसीपी में आए हैं. कई वाहनों की शीशे तोड़े इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई. देखते-ही-देखते दोनों पक्षों के बीच हाथापाई शुरू हो गई. इसके बाद दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे और पथराव हुआ, जिससे कई वाहनों के शीशे तोड़े गए हैं.

कैंसर फैलाने वाली इंडोनेशियाई सुपारी रैकेट का भंडाफोड़

राष्ट्रबाण

रायगढ़. महाराष्ट्र के रायगढ़ में सीजीएसटी विभाग ने इंडोनेशियाई सुपारी के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है. इस सुपारी को भारत में कैंसर के खतरे के कारण प्रतिबंधित किया गया है. जब्त की गई सुपारी की मात्रा रैकेट की व्यापकता का सिर्फ एक छोटा-सा हिस्सा हो सकती है, जिससे देश में कैंसर महामारी फैलने का खतरा है.

केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (CGST) विभाग ने पिछले हफ्ते इस रैकेट का भंडाफोड़ किया. इसमें इंडोनेशिया से घटिया सुपारी की तस्करी सड़क और रेल मार्ग से ट्रकों के जरिए की जा रही थी. कैंसर के खतरे की वजह से भारत में इस सुपारी का उपयोग प्रतिबंधित है. कोलाड पहुंचने पर 11 ट्रक जब्त किए गए हैं, जिनको रेलगाड़ी के डिब्बों से लाया गया था, जिनमें कैंसरकारी सामग्री से पॉलिश की गई घटिया सुपारी थी. अधिकारियों का कहना है कि अगर इतनी बड़ी मात्रा में कैंसर पैदा करने वाली घटिया सुपारी जमीनी स्तर तक पहुंचती है, तो देश में कैंसर महामारी फैल सकती है.

जब्त किए गए 11 ट्रक

गरीब लोगों के जीएसटी नंबर का इस्तेमाल

इस तस्करी के लिए जिन दो सप्लायरों के जीएसटी नंबरों का इस्तेमाल किया गया, वे कर्नाटक के हासन से NN ट्रेडर्स और दक्षिणा कन्नड़ से SRS ट्रेडर्स हैं . सूत्रों के मुताबिक, इन दोनों फर्मों के मालिक ऐसे व्यक्ति हैं, जो छोटे-मोटे काम करते हैं और गरीबी रेखा से नीचे हैं, और ये डमी डायरेक्टर हो सकते हैं . सीजीएसटी अधिकारियों को पिछले महीने के ई-वे बिलों के विवरण मिले हैं, जिससे भारतीय खजाने को सैकड़ों करोड़ रुपये के टैक्स का नुकसान हुआ है .

तस्करी और टैक्स चोरी का जाल...

सीजीएसटी विभाग, रैकेट के सरगनाओं द्वारा सैकड़ों करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी की जांच कर रहा है. सूत्रों के मुताबिक, जब्त किए गए 11 ट्रक सिर्फ हिमखंड का सिरा हैं, क्योंकि पिछले एक महीने में सैकड़ों ट्रक ऐसी ही कैंसरकारी सुपारी लेकर दिल्ली स्थित प्रमुख वितरक 'कृष्णा ट्रेडर्स' तक पहुंच चुके थे. इस रैकेट के पीछे केरल के कासरगोड से कादर खान और कर्नाटक के मंगलूरु से समीर खान का नाम सामने आया है. रैकेट के सरगना फर्जी जीएसटी पंजीकरण और जाली बिलों का उपयोग करके करोड़ों रुपये के टैक्स की चोरी कर रहे थे.

फास्ट ट्रैक

'पहले 21 साल के हो जाओ'...

राष्ट्रबाण

ठाणे. महाराष्ट्र के ठाणे जिले के डोम्बिवली इलाके से एक चौंका देने वाली खबर सामने आई है, यहां एक 19 साल के लड़के ने घर में फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया. इस घटना ने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया. लड़के के सुसाइड करने का कारण जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे. पुलिस ने बताया कि यह घटना 30 नवंबर को डोम्बिवली इलाके में हुई है.

क्या है पूरा मामला?

बता दें कि लड़का मूलरूप से झारखंड का रहने वाला था. वह अपनी इलाके की एक लड़की के साथ उसका प्रेम संबंध था. वह उस लड़की से शादी करना चाहता था., लेकिन लड़के की उम्र सिर्फ 19 साल की थी, जिसके चलते उसके परिवार ने चाहा कि वह कानूनी रूप से शादी के लिए 21 साल तक इंतजार करे. लड़के को परिवार ने शादी के लिए 2 साल का इंतजार करने के लिए कहा. पुलिस ने मामले दर्ज किया दावा किया जा रहा है कि परिवार की इस बात से लड़के को मानसिक आघात लगा. मनपाड़ा थाने के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसके बाद लड़के ने अपने घर में स्कार्फ लगाकर छत से लटककर सुसाइड कर लिया. पुलिस अधिकारी ने बताया कि परिवार के लोग तुरंत लड़के को पास के अस्पताल लेकर गए, लेकिन तब तक काफी देर हो गई थी. अस्पताल पहुंचने के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. इस घटना के कारण पूरा परिवार गहरे सदमे में है.

भिवंडी के ट्रैफिक जाम को हल करने के लिए बाईपास बंद करने का प्रस्ताव

राष्ट्रबाण

ठाणे. ठाणे और भिवंडी शहर को जोड़ने वाले काशेली-अंजुरफाटा मार्ग पर यातायात की भीड़भाड़ कम करने के लिए, ठाणे यातायात पुलिस ने लोक निर्माण विभाग को कुछ घुमावदार सड़कों को बंद करने का प्रस्ताव दिया है. इन घुमावदार सड़कों को बंद करने से भारी वाहनों और विपरीत दिशा में बढ़ते यातायात के दबाव को कम करने में मदद मिलेगी. भिवंडी के काशेली-काल्हेर, पूर्णा, दापोड़े अंजुरफाटा इलाकों में बड़ी आबादी रहती है. इस इलाके में कुछ कंपनियों के कारखाने और गोदाम भी हैं. सार्वजनिक परिवहन का कोई साधन न होने के कारण, इस इलाके के नागरिकों को अपने निजी वाहनों से ठाणे और भिवंडी आना पड़ता है. साथ ही, मुंबई- नासिक राजमार्ग पर लगने वाले जाम से बचने के लिए, विभिन्न इलाकों से व्यापारी, कर्मचारी और मालवाहक वाहन इसी रास्ते से भिवंडी आते हैं. पिछले कुछ महीनों से इस इलाके में यातायात का भारी दबाव है. यहाँ ठाणे-भिवंडी-कल्याण मेट्रो लाइन 5 का निर्माण कार्य चल रहा है और सड़कें भी संकरी हो गई हैं. अगर दोनों सड़कों पर ट्रैफिक जाम हो जाए तो पुलिस को भी इस ट्रैफिक जाम को सुलझाने में दिक्कत होती है.

काल्हेर-काशेली इलाके के कई छात्र ठाणे के विभिन्न स्कूलों में पढ़ते हैं . अक्सर ट्रैफिक जाम के कारण छात्रों को घर पहुँचने के लिए बालकुम से काशेली तक पैदल चलना पड़ता है . ठाणे ट्रैफिक पुलिस के एक सर्वेक्षण में पाया गया है कि भारी वाहनों और विपरीत दिशा से आने वाले ट्रैफिक के कारण यहाँ ट्रैफिक जाम बढ़ रहा है . काशेली ब्रिज से अंजुरफाटा इलाके में कुल 21 घुमावदार सड़कें हैं . चूंकि ये सड़कें डिवाइडर तोड़कर बनाई गई हैं, इसलिए अक्सर भारी वाहन और कुछ चालक ट्रैफिक जाम होने पर नियम तोड़कर उस सड़क पर घुस जाते हैं जहां ट्रैफिक जाम नहीं होता . लेकिन विपरीत दिशा से आने वाले ट्रैफिक के कारण उस सड़क पर भी ट्रैफिक जाम हो जाता है .

सत्ता में एकसाथ, रायगड में मारपीट

राष्ट्रबाण

महाराष्ट्र में महायुति में शामिल शिवसेना एकनाथ शिंदे और एनसीपी अजित पवार गुट की गठबंधन की सरकार है, रायगड में दोनों दलों के कार्यकर्ता आपस में भिड़ते दिखाई दिए. दरअसल, रायगड जिले की महाड नगरपरिषद के लिए मंगलवार (2 दिसंबर) मतदान हो रहा है. इसी दौरान एकनाथ शिंदे गुट के विकास गोगावले और अजित पवार गुट के सुशांत जाबरे के समर्थकों के बीच जबरदस्त मारपीट होने की जानकारी सामने आई है. बताया जा रहा है कि सुशांत जाबरे और उनके अंगरक्षक की भरत गोगावले के पुत्र विकास गोगावले के समर्थकों ने जमकर पिटाई की.

विकास गोगावले के समर्थकों ने सुशांत जाबरे के समर्थकों की कई गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की. इसके चलते महाड में तनाव का माहौल बन गया है. पुलिस स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है.

शिंदे-अजित पवार गुट के कार्यकर्ता आपस में भिड़े

कैसे शुरू हुआ विवाद?

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, यह मारपीट महाड के 'नवे नगर' क्षेत्र में हुई. सुशांत जाबरे ने चुनाव से ठीक पहले शिंदे गुट छोड़कर अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस में प्रवेश किया था. मंगलवार (2 दिसंबर) की सुबह महाड नगरपरिषद के मतदान की शुरुआत हुई, जहां कई जगह ईवीएम मशीनें बंद पड़ी थीं.

इसी दौरान गोगावले और जाबरे समर्थक कुछ मतदान केंद्रों पर इकट्ठा हो गए, जहां बहस ने जल्दी ही उग्र रूप ले लिया और मारपीट शुरू हो गई. गोगावले समर्थकों ने पथराव कर जाबरे समर्थकों की गाड़ियों के कांच फोड़ दिए. सुशांत जाबरे के समर्थकों ने कथित रूप से विकास गोगावले को रिवॉल्वर दिखा दी, जिससे मामला और बिगड़ गया. बताया जा रहा है कि इसके बाद विकास गोगावले रिवॉल्वर लेकर थाने पहुंच गए. अब पुलिस इस मामले में क्या कार्रवाई करती है, यह देखना होगा. विवाद के बाद सुनील तटकरे ने मीडिया से बात की और कहा, "चुनाव में शांति बनाए रखना हमारा कर्तव्य है. मंगलवार की सुबह से कुछ युवा नेता मतदान केंद्रों में जाकर आरओ से बहस कर रहे हैं.

गोगावले-तटकरे विवाद क्या है ?

राज्य में महायुती सरकार आने के बाद से ही पालकमंत्री पद को लेकर भरत गोगावले और सुनील तटकरे के बीच लगातार विवाद चल रहा है . दोनों एक-दूसरे के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को तोड़ने की कोशिश करते रहे हैं . इससे उनके बीच की दुश्मनी और गहरी हो गई है . यही संघर्ष मंगलवार (2 दिसंबर) के मतदान में खुलकर सामने आया .

मुंबई की हवा ज़हरीली, BMC की सख्ती से मामूली सुधार

राष्ट्रबाण

मुंबई . में हवा की गुणवत्ता लगातार ख़राब बनी हुई है. आज (मंगलवार, 2 दिसंबर) की सुबह 5 बजे मुंबई का AQI 217 के करीब पहुंच गया. मुंबई की हवा की गुणवत्ता सुबह औसतन AQI 180 रहा . नवंबर महीने के आख़िरी दो सप्ताह से लेकर आज तक मुंबई शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स 'खराब' से लेकर 'बहुत खराब' श्रेणी में बना हुआ था, जिससे नागरिकों की चिंता बढ़ गई थी. 26 नवंबर को मुंबई का AQI 223 के करीब था.

बीएमसी ने प्रदूषण नियंत्रण के कदम तेज़ किए : इसी स्थिति को देखते हुए बीएमसी ने प्रदूषण नियंत्रण की कार्रवाई को पूरे शहर और उपनगरों में तेज़ कर दिया. पिछले 48 घंटों में AQI में सुधार दर्ज किया गया है. मुंबई में पिछले कुछ हफ्तों से लगातार बिगड़ रही वायु गुणवत्ता को देखते हुए नगर निगम द्वारा उठाए गए कड़े कदम अब असर दिखाने लगे हैं.

लेकिन चिंताजनक है स्थिति

निर्देशों और निगरानी का कड़ा पालन

महानगरपालिका आयुक्त भूषण गगराणी के अनुसार, प्रदूषण कम करने के लिए लागू 28-बिंदु निर्देशों पर सख्ती से अमल कराया जा रहा है . नियमों का उल्लंघन करने वाले सरकारी, गैर-सरकारी और निजी निर्माण कार्यों पर कड़ी कार्रवाई जारी है . कई साइटों को 'स्टॉप वर्क' नोटिस भी दिए गए हैं .बीएमसी ने स्पष्ट किया है कि ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (GRAP) का स्टेज-4 फिलहाल मुंबई में लागू नहीं है, लेकिन हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है .

मॉनिटरिंग और नागरिक सहयोग की पहल

नगर निगम ने सभी वार्डों में 94 फ्लाइंग स्क्वॉड भी नियुक्त किए हैं, जो निर्माण साइटों पर AQI सेंसर, नियमों के पालन और अन्य गतिविधियों की जांच कर रहे हैं . मुंबई पोर्ट ट्रस्ट क्षेत्र में शेकोटियां बंद करने के निर्देशों का भी अच्छा प्रभाव देखने को मिला है . अतिरिक्त आयुक्त (शहर) डॉ. अश्विनी जोशी की निगरानी में प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए कई पहलें एक साथ चल रही हैं . इसमें बेकरी और स्मशानभूमियों को स्वच्छ ईंधन पर स्थानांतरित करने, मिस्टिंग मशीनों और सड़क धुलाई के ज़रिये धूल कम करने, निर्माण स्थलों की नियमित मॉनिटरिंग और जनजागरूकता अभियान शामिल हैं .

नाबालिग मां ने एक दिन के बच्चे को कुएं में फेंककर मारने की दर्दनाक घटना का खुलासा

राष्ट्रबाण

गोंदिया. महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. यहां एकोडी गांव में नाबालिग मां ने एक नवजात शिशु की हत्या कर उसे कुएं में फेंक दिया. इस घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया. गांव के लोग यह सोचकर ही सदमे में हैं कि एक दिन के मासूम को इतनी बेरहमी से कैसे मारा जा सकता है.

जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस : जानकारी मिलते ही गंगाझरी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. पुलिस को शुरुआती जांच में पता चला कि शिशु की हत्या किसी और ने नहीं, बल्कि उसकी ही मां ने की थी, जो एक नाबालिग लड़की है. पुलिस के अनुसार वह लड़की प्रेम प्रसंग के चलते गर्भवती हुई थी.

पुलिस ने क्या बताया?

कुएं में तैरता देखा नवजात शिशु का शव

घटना उस समय सामने आई जब ढिवरटोली निवासी राजेंद्र ठाकरे अपने घर के पीछे स्थित कुएं से पानी भरने गए . पानी भरते समय उन्होंने कुएं में कुछ तैरता देखा . ध्यान से देखने पर पता चला कि वह एक नवजात शिशु का शव है . राजेंद्र ठाकरे ने तुरंत पड़ोसियों और गांव के लोगों को सूचना दी . कुछ ही देर में भीड़ जमा हो गई और पूरे गांव में सनसनी फैल गई .

ब्रिज से नीचे गिरी छात्रों से भरी बस

नासिक के 32 छात्र घायल, 4 की हालत नाजुक

राष्ट्रबाण

सतारा. नासिक के कॉलेज छात्रों को लेकर कोकण से लौट रही एक प्राइवेट बस कराड के वाठार इलाके में एक हादसे का शिकार हो गई. बस पुल से अनियंत्रित होकर नीचे जा गिरी, जिससे कम से कम 30 से 32 छात्र घायल हो गए, जबकि 4 छात्रों की हालत नाजुक बताई जा रही है.

दरअसल, पिंपलगांव (जिला नासिक) के कॉलेज छात्रों का एक कार्यक्रम कोंकण में आयोजित किया गया था. कार्यक्रम खत्म होने के बाद देर रात बस नासिक के लिए रवाना हुई.

वाठार के पास पहुंचते ही ड्राइवर का चूक गया और बस सीधे ब्रिज से नीचे जा गिरी. नीचे का हिस्सा गहरा होने के कारण बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई और कई छात्र घायल हो गए. चार छात्रों की हालत गंभीर बनी हुई है. हादसे की जानकारी मिलते ही हाइवे पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची. सभी घायलों को उप जिला अस्पताल और कुछ छात्रों को कृष्णा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है.

पूर्व सहकार मंत्री बाला साहेब पाटिल की तात्कालिक मदद

पूर्व सहकार मंत्री बाला साहेब पाटिल की तात्कालिक मदद कराड-वाठार में हुई दुर्घटना की जानकारी मिलते ही पूर्व सहकार मंत्री बाला साहेब पाटिल ने तुरंत संज्ञान लिया . घायल छात्रों के लिए तत्काल मेडिकल सहायता, दवाइयां और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाई गईं . दिन्डोरी सांसद भास्कर मुरलीधर भगारे ने भी बाला साहेब पाटिल से संपर्क कर छात्रों की मदद का अनुरोध किया था . इसके बाद पाटिल ने प्रशासन से समन्वय कर सारी आवश्यक मदद तुरंत शुरू करवाई .

हमला महर्षि नगर इलाके की घटना

पीएमपी स्टॉप पर स्कूली छात्र पर हथियार से हमला

राष्ट्रबाण

पुणे . महर्षि नगर इलाके में पीएमपी बस का इंतज़ार कर रहे एक स्कूली बच्चे पर मामूली विवाद में हथियार से हमला किया गया. बच्चे के हाथ में चोट आई है और फरार आरोपी की तलाश जारी है. घटना में एक 14 वर्षीय लड़के को मामूली चोट आई है. उसकी शिकायत के अनुसार, स्वारगेट पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है.

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता, 14 वर्षीय किशोर, कोंढवा के बढ़ेनगर इलाके में रहता है. वह सोमवार (1 दिसंबर) शाम करीब 4:45 बजे घर के लिए निकला था. वह महर्षि नगर इलाके में पुजारी उद्यान के पास पीएमपी स्टॉप पर रुका था. उसी समय एक आदमी वहाँ आया. उसने गुस्से से लड़के को देखा और अचानक अपने पास रखे हथियार से लड़के के हाथ पर वार कर दिया. लड़के के चीखने-चिल्लाने पर आरोपी अपने दो साथियों के साथ वहाँ से भाग गया. घटना की सूचना मिलने पर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक यशवंत निकम और अपराध शाखा निरीक्षक विकास भारमल घटनास्थल पर पहुँचे.

फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है और पुलिस उपनिरीक्षक बी. पी. शिरसाट मामले की जाँच कर रहे हैं. पिछले साल, स्कूल में हुए विवाद के चलते भवानी पेठ स्थित एक स्कूल के सामने एक लड़के की धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी गई थी. खड़क पुलिस ने हत्या के प्रयास के आरोप में स्कूली बच्चों को हिरासत में लिया था.

पुलिस मुखबिर होने के शक में युवक पर हथियार से हमला : पुलिस का मुखबिर होने के आरोप में तीन लोगों द्वारा एक युवक पर हथियार से हमला करने की घटना कटराज इलाके में हुई. इस संबंध में भारती विद्यापथ पुलिस ने तीनों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. एक युवक ने इस संबंध में भारती विद्यापीठ पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है. पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता एक युवा ट्रक चालक है. वह कटराज के खोपड़ेनगर इलाके में रहता है. 30 नवंबर को, वह एक किराने की दुकान से आपूर्ति के साथ घर के लिए निकल रहा था. शाम लगभग 6:45 बजे तीनों ने उसे रोका. आरोपियों ने उसे यह कहकर गाली देना शुरू कर दिया, 'तुमने हमारी जानकारी पुलिस को क्यों दी?' आरोपियों ने उस पर हथियार से हमला किया. युवक ने अपने घर के सामने एक ट्रक खड़ा किया था. आरोपियों ने उसके घर के सामने खड़े ट्रक का शीशा तोड़ दिया और दहशत फैला दी. सहायक फौजदार भोसले जांच कर रहे हैं.

पार्वती इलाके में स्कूली छात्र की पिटाई

निलयम सिनेमा इलाके में एक स्कूली छात्र पर हथियार से हमला किया गया . इस संबंध में पार्वती पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है . 16 वर्षीय एक लड़के ने इस संबंध में पार्वती पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है . पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता लड़का पार्वती दर्शन क्षेत्र में रहता है . उसकी बाइक का पेट्रोल खत्म होने के बाद वह निलयम सिनेमा इलाके में रुका था . उसने अपने दोस्त को फोन किया . उसके बाद, वहां आए चार लोगों ने पुराने विवाद को लेकर स्कूली छात्र पर हथियार से हमला कर दिया . यह घटना पिछले महीने हुई थी . लड़के ने हाल ही में इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है . पुलिस कांस्टेबल दिघे जांच कर रहे हैं .

नेहा शर्मा से ईडी की पूछताछ

बॉलीवुड एक्ट्रेस नेहा शर्मा भी अब जांच एजेंसी ईडी के रडार पर हैं. केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ने एक्ट्रेस को पिछले हफ्ते समन भेजा था. 2 दिसंबर को उन्हें दिल्ली वाले ईडी ऑफिस में पूछताछ के लिए बुलाया गया है. बेटिंग ऐप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जांच एजेंसी एकदम सख्त है. उनसे पहले एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला और सोनू सूद से भी इस मामले में पूछताछ हो चुकी है.

यहां तक कि क्रिकेटर शिखर धवन, सुरेश रैना समेत कई नामी हस्तियों को ईडी ने समन भेजा था.मॉडल और एक्ट्रेस नेहा शर्मा से 2 दिसंबर यानी मंगलवार को ईडी मुख्यालय में बुलाया गया है. जहां वो पेश हो गई हैं, साथ ही ऑनलाइन बेटिंग एप केस में ईडी उनसे कुछ सवाल करेगी. ऐसा कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस कुछ एन्डोर्समेंट के जरिए ही बेटिंग ऐप से जुड़ी हुई है. जिसके चलते ईडी के रडार पर आ गई हैं. प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के नियमों के तहत ही उनके बयान रिकॉर्ड किए गए हैं. दरअसल इस बेटिंग ऐप की इंडिया की एम्बेसेडर उर्वशी रौतेला थीं. जिन्होंने इसका एंडोर्समेंट किया था. वहीं, युवराज सिंह, सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा और शिखर धवन जैसे क्रिकेटरों को भी समन भेजा गया था. हालांकि, पूछताछ के बाद उनकी 11.14 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच कर दी गई थी. इस मामले में कुछ इन्फ्लुएंसर्स से भी पूछताछ की जा चुकी है. इसी मामले में ईडी का कहना है कि, 1स्बत ऐप भारत में बिना परमिशन के ऑपरेट किया जा रहा था. जो कि ऑनलाइन वीडियो और सोशल मीडिया के जरिए लोगों को टारगेट करता था. जो सरोगेट ब्रांडिंग और एड के इस्तेमाल से की जाती थी.

अनफेयर है बिग बॉस का फैसला अशनूर का बयान

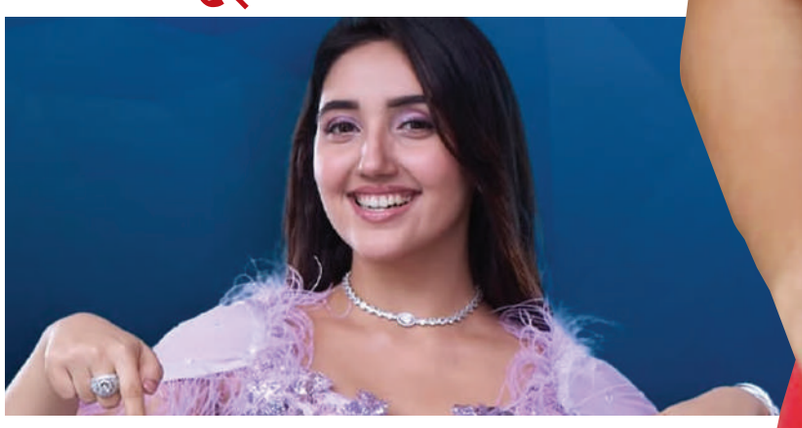

बिग बॉस 19 के फिनाले से पहले हिंसा करने की वजह से अचानक बाहर हुईं एक्ट्रेस अशनूर कौर का एविक्शन फिलहाल इस शो से जुड़ा सबसे बड़ा विवाद बन गया है. तान्या मित्तल को 'टिकट टू फिनाले'

टास्क के दौरान लकड़ी के प्लैंक से चोट लगने के बाद सलमान खान ने उन्हें घर से बाहर का रास्ता दिखाया था. बाहर आने के बाद अशनूर ने टीवी9 को दिए एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में अपने दिल की बात कही. उन्होंने एविक्शन को गलत बताया और साथ ही तान्या मित्तल, गौरव खन्ना और शहबाज बदेशा पर भी उन्होंने जमकर निशाना साधा.यकीनन, मैं बहुत निराश हूं. बहुत हताश महसूस कर रही हूं. जब आप फिनाले के इतने करीब होते हैं और आपका सपना एकदम से टूट जाता है, चकनाचूर हो जाता है, तो बहुत बुरा लगता है. ये बहुत अचानक हुआ. मैं अभी भी ये समझने की कोशिश कर रही हूं कि बिग बॉस का मेरा सफर इतनी जल्दी क्यों खत्म हो गया.जी हां, जैसा कि मैंने कहा, मैं अभी भी इसे प्रोसेस कर रही हूं. ये बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण था, और मैंने उम्मीद नहीं की थी कि चीजें इस तरह से होंगी. इस सीजन में कई ऐसी घटनाएं हुईं जहां कोई एक्शन नहीं लिया गया, लेकिन जब बात मुझ पर आई तो मुझे बाहर कर दिया गया.देखिए, वो एक टास्क था, और प्लैंक बहुत भारी था. मेरे कंधे बुरी तरह दुख रहे थे. तीसरा राउंड चल रहा था. अगर आप शुरुआती वीडियो देखेंगे, तो मेरी आंखें नीचे थीं और मैं झुकी हुई थी, क्योंकि मैं वजन नहीं उठा पा रही थी.

'दृश्यम 3' से मोहनलाल की सुपरहिट कमाई

अजय देवगन की अगले साल कई बड़ी फिल्में रिलीज की जाएंगी. जिसमें से कुछ की रिलीज डेट भी कंफर्म कर दी गई है. जबकि, कुछ की अब भी लगातार शूटिंग जारी है. 'दृश्यम 3' को लेकर तगड़ा माहौल बना हुआ है. फिल्म की शूटिंग कब होगी और कब इसे रिलीज किया जाएगा, मेकर्स यह भी बता चुके हैं. लेकिन इसी जगह असली खेल बिगड़ा हुआ है. क्योंकि अजय देवगन की 'दृश्यम 3' का हिंदी वर्जन कब रिलीज होगा, सबकुछ यहीं पर टिका है. लेकिन मोहनलाल की मलयालम फिल्म के मेकर्स ने अपना इरादा साफ कर दिया है. इसी बीच उनकी 'दृश्यम 3' को लेकर इतनी तगड़ी डील हुई है, जिसने 5 ही दिनों में सलमान खान की 'बैटल ऑफ गलवान' का भी बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया है.हाल ही में एक न्यूज वेबसाइट पर रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा कि मोहनलाल की 'दृश्यम 3' ने पैनोरमा स्टूडियोज के साथ एक बड़ी पार्टनरशिप की है. जो किसी भी मलयालम फिल्म के लिए अबतक की सबसे बड़ी डील साबित हो सकती है. खबर है कि मेकर्स ने 350 करोड़ से ज्यादा की डील पक्की कर ली है. खास बात यह है कि किसी भी मलयालम फिल्म के लिए अबतक इतना बड़ा बिजनेस ट्रांजैक्शन कभी नहीं हुआ.हाल ही में मोहनलाल की फिल्म 'दृश्यम 3' को लेकर पता लगा कि पिक्चर का शूट पूरा हो चुका है. अब अगर कुछ शूट बचा भी होगा, तो मेकर्स उसे खुद देखेंगे. क्योंकि मोहनलाल अपने हिस्से का काम निपटा चुके हैं. हालांकि, कुछ घंटे पहले ही जानकारी मिली थी कि पैनोरमा स्टूडियोज ने शूटिंग पूरी होने से पहले ही फिल्म से बड़ी डील की. जहां दुनियाभर के थिएट्रिकल और डिजिटल राइट्स हासिल कर लिए गए. 350 करोड़ रुपये के क्लब में एंट्री के साथ ही एक नया बेंचमार्क सेट किया है. इस स्टूडियो के पास पहले ही फिल्म के हिंदी रीमेक राइट्स थे. अब पैनोरमा के पास ही पूरे राइट्स हैं, जो डिसाइड कर सकती है कि फिल्म को कब रिलीज किया जाना है और कब नहीं. इससे पहले किसी मलयालम फिल्म ने इतनी बड़ी डील नहीं की है.

राजपाल यादव ने की प्रेमानंद महाराज से मुलाकात

बॉलीवुड के कई सेलेब्स भी इन दिनों वृंदावन के संत प्रेमानंद जी महाराज के बड़े भक्त हैं. कई नामी-गिरामी हस्तियां महाराज जी के दर्शन और आशीर्वाद लेने के लिए उनकी शरण में पहुंच चुकी हैं. इसी लिस्ट में, कॉमेडी के लिए फेमस एक्टर राजपाल यादव भी हाल ही में वृंदावन पहुंचे और उन्होंने प्रेमानंद जी महाराज से मुलाकात की. अपनी सहज और मजाकिया पर्सनैलिटी के कारण, राजपाल यादव ने वहां के माहौल को खुशनुमा बना दिया और उनकी बातें सुनकर प्रेमानंद महाराज जी भी हंसने लगे. राजपाल यादव को पहले महाराज जी के पास जाते हुए देखा गया. वह सम्मानपूर्वक नीचे बैठ गए और अपनी बातों से उन्होंने तुरंत ही महाराज जी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया.राजपाल यादव ने झुककर प्रणाम किया और एक मजेदार बात कही, "आज ठीक हूं. मैं बहुत कुछ बोलना चाहता था लेकिन अब कुछ आ ही नहीं रहा है." राजपाल ने प्रेमानंद महाराज से एक दिलचस्प बात कहते हुए कहा, "एक पागलपन जैसी गलतफहमी मानकर बैठ गया कि द्वापर हुआ है, कृष्णा जी हुए हैं, सब ग्वाला हुए हैं और मुझे लगता है मनसुखा मैं ही था." आपको बता दें कि मनसुखा भगवान कृष्ण के मित्र थे. राजपाल यादव ने अपनी यह बात कहकर हंसते हुए कहा कि वह इस 'पागलपन' को बनाए रखना चाहते हैं. उनकी यह बात सुनकर महाराज जी ठहाके मारकर हंसने लगे.प्रेमानंद महाराज हंसते हुए बोले, "ये जरूर रखना. पूरे भारत को हंसाने वाले आप हो, बिल्कुल रखना." राजपाल यादव ने बताया कि वह खुद को मनसुखा ही बोलते हैं. इसके बाद उन्होंने एक मंत्र भी सुनाया जो उन्हें पूरा याद था.

धर्मेंद्र ने पुश्तैनी प्रॉपर्टी किसे सौंपी ?

बॉलीवुड के 'ही-मैन' धर्मेंद्र का 24 नवंबर को निधन हो गया था. लेकिन उनका पूरा परिवार अब भी चर्चा में है. कभी वजह उनके बच्चे सनी और बॉबी देओल होते हैं, तो कभी हेमा मालिनी की बेटियां ईशा और अहाना. धर्मेंद्र ने इंडस्ट्री में खूब मेहनत की और नाम के साथ ही खूब पैसे भी कमाए. उनकी कुल संपत्ति 400 करोड़ रुपये के करीब बताई जाती है, जो अपने पीछे छोड़कर चले गए हैं. पर सवाल यह है कि उनके किस बच्चे को प्रॉपर्टी से कितना हिस्सा मिलेगा? क्या सनी-बॉबी देओल के बराबर ही ईशा और अहाना को भी दिया जाएगा. इस बात का फैसला कब होगा, कब नहीं अभी तो जानकारी नहीं है. लेकिन धर्मेंद्र की करोड़ों की पुश्तैनी प्रॉपर्टी सुर्खियों में है, जो धर्मेंद्र पहले ही किसी और को सौंप चुके हैं.यूं तो धर्मेंद्र की दूसरी पत्नी हेमा मालिनी भी बेहद अमीर हैं. उनका फिल्मी करियर जितना सफल रहा, उतना ही राजनीतिक सफर भी रहा. बीजेपी सांसद हेमा मालिनी की कुल संपत्ति लगभग 129 करोड़ रुपये है. यह डाटा उन्होंने मथुरा से 2024 के चुनावों में हिस्सा लेते समय दिया था. जिसमें अबतक और भी बढ़ोतरी हुई होगी. लेकिन धर्मेंद्र अपने पीछे करोड़ों की संपत्ति छोड़कर गए हैं. लेकिन जहां धर्मेंद्र बचपन में रहते थे, उसकी कीमत अब करोड़ों में है.

धर्मेंद्र का जन्म पंजाब के नसराली गांव में हुआ था. यूं तो वो एक्टिंग के लिए मुंबई आ गए थे, जहां उन्होंने अपनी आखिरी सांस ली है. पर एक्टर ने बचपन के तीन साल नसराली गांव में ही बिताए. उस घर की देखभाल वहां रहने वाले रिश्तेदार ही सालों से कर रहे हैं. पर अब उस प्रॉपर्टी की कीमत करोड़ों में है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, धर्मेंद्र ने सालों पहले ही यह प्रॉपर्टी अपने चाचा के बच्चों को दे दी थी. धर्मेंद्र के लिए मुंबई में रहते वहां की देखभाल करना मुश्किल था, क्योंकि उनके सभी बच्चे मुंबई में ही हैं. ऐसे में पिता की दी हुई जिम्मेदारी को निभाते हुए वो प्रॉपर्टी पहले ही चाचा के बच्चों को सौंप चुके हैं हालांकि, हिंदी सिनेमा का बड़ा स्टार बनने के बावजूद उन्होंने अपने घर से नाता नहीं तोड़ा. वो इमोशनल तौर पर हमेशा से उसी मिट्टी से जुड़े रहे.

एक्टिंग ही नहीं पढ़ाई में भी 'बादशाह' थे किंगखान शाहरुख़

बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं. शाहरुख खान अपनी शानदार एक्टिंग से लाखों लोगों के दिलों पर राज करते हैं. शानदार एक्टिंग के साथ ही एक्टर अपने तेज दिमाग और किताबों से लगाव के लिए भी जाने जाते हैं. उन्हें अक्सर सफर के समय या सेट पर भी किताबें पढ़ते हुए देखा जाता है. इस बीच, सोशल मीडिया पर उनकी पढ़ाई-लिखाई से जुड़ा एक डॉक्यूमेंट सामने आया है.

रिपोर्ट्स के अनुसार, शाहरुख खान की हंसराज कॉलेज की एक मार्कशीट तेजी से वायरल हो रही है, जिसे देखकर उनके फैंस एकदम हैरान रह गए हैं. फिल्मी दुनिया के बादशाह बनने से पहले भी, शाहरुख एक होशियार और तेज छात्र थे.यह मार्कशीट एक सोशल मीडिया हैंडल द्वारा 'बॉली ब्लाइंड्स एन गॉसिप' पर शेयर की गई है. वायरल हो रही यह मार्कशीट दिल्ली विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हंसराज कॉलेज की बताई जा रही है. मार्कशीट पर शाहरुख खान की पुरानी तस्वीर लगी है और उनका नाम 'शाहरुख खान' तथा उनके पिता का नाम 'मीर ताज मोहम्मद' लिखा है. जन्मतिथि 2 नवंबर 1965 भी लिखा हुआ है. यह डॉक्यूमेंट बीए ऑनर्स इकोनॉमिक्स के विषय से जुड़ा हुआ है.मार्कशीट में शाहरुख खान के विषय-वार अंक देखकर फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं. मार्कशीट में दिख रहे चार विषयों में से, शाहरुख खान ने 100 में से 92, 75, 75 और 57 मार्क हासिल किए हैं.

वकील से विलेन तक बोमन ईरानी का सफर

बॉलीवुड एक्टर बोमन ईरानी अपना 66वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रहे हैं. 42 साल की उम्र में बॉलीवुड डेब्यू करने वाले बोमन की शुरुआत बतौर वेटर हुई. उसके बाद फोटोग्राफर के तौर पर भी काम किया. घर की बेकरी भी संभाली. पर फिल्मों में कदम रखने से पहले वो प्ले करते थे. साल 2003 में उनकी शुरुआत 'डरना मना है' से हुई थी. अबतक अपने करियर में कई जबरदस्त फिल्मों का हिस्सा रहे हैं. पर क्या आप जानते हैं जिन फिल्मों ने 700 करोड़ या 400 करोड़ कमाए, उनके बेहतरीन कैरेक्टर्स में से एक बोमन ईरानी का रोल भी रहा है.बोमन ईरानी ने बेशक देरी से फिल्म इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत की हो. पर जब कदम रखा, तो जम गए. वो बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान की लगभग फिल्मों का हिस्सा रहे हैं. या यूं कहूं कि जिन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार बिजनेस किया, उनमें तो रहे ही हैं. दीपिका पादुकोण ही नहीं, उन्हें भी शाहरुख का लकी चार्म कहा जाता है. डॉक्टर अस्थाना: शुरुआत 'मुन्नाभाई एमबीबीएस' से नहीं की, तो बात नहीं बनेगी. 2003 में रिलीज हुई पिक्चर में जितना मुन्ना भाई और सर्किट की बात होती है. उतना ही यादगार किरदार डॉक्टर अस्थाना का है, जिसे बोमन ईरानी ने ही निभाया था. इस फिल्म में उन्होंने मेडिकल कॉलेज के सख्त प्रोफेसर और डीन की भूमिका निभाई थी. जब भी उनके रोल्स की बात होती है, तो सबसे टॉप पर इस फिल्म का नाम जरूर आता है.वायरस: 25 दिसंबर 2009 को रिलीज हुई '3 इडियट्स' हर किसी के दिल के बेहद करीब है. जिसने 395 करोड़ रुपये की कमाई की थी. पर फिल्म का जो किरदार एकदम फोकस में रहा, वो थे- बोमन ईरानी. पिक्चर में वीरू सहस्त्रबुद्धे उर्फ 'वायरस' बने थे. जो एक सख्त इंजीनियरिंग कॉलेज का डीन होता है. वो स्टूडेंट्स पर इतना दवाब डालता है कि सब परेशान हो जाते हैं. पर एक्टर के अपने करियर में निभाए सबसे बेहतरीन रोल में से यह भी एक है.. वकील राजपाल: इस साल जॉली एलएलबी 3 आई थी.

राष्ट्रबाण
विदर्भ VISION
॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥

तापमान. नागपुर, अधिकतम 29.2°C न्यूनतम 12.4°C

नागपुर, बुधवार, 3 दिसंबर 2025

फास्ट ट्रैक

बाघ के हमले में बुज़ुर्ग महिला की मौत

गड़चिरोली. खेत में काम कर रही एक बुज़ुर्ग महिला पर बाघ ने हमला कर उसे मार डाला. यह घटना मंगलवार, 2 दिसंबर को शाम करीब 4 बजे आरमोरी तालुका के इंजेवारी में हुई, जो गांव से सिर्फ़ डेढ़ km दूर है. मरने वाली महिला की पहचान कुंदाबाई खुशाल मेश्राम (65) के तौर पर हुई है, जो इंजेवारी, तालुका आरमोरी की रहने वाली थीं. कुंडाबाई मंगलवार दोपहर 2 बजे अपने पोते के साथ टू-व्हीलर पर खेत में रबी के मौसम की फ़सल काटने के लिए खेत से कचरा हटाने गई थीं. उनका खेत डेढ़ km दूर पाटा दानी इलाके में है. पोते ने उन्हें खेत में छोड़ा और फिर घर लौट आया. बाद में, शाम करीब 4 बजे, जब पोता कुंदाबाई को लेने खेत गया, तो कुंदाबाई वहाँ नहीं थीं. वह यह सोचकर घर आया कि उसकी दादी घर लौट आई होंगी; लेकिन उसकी दादी भी वहाँ नहीं थीं. फिर वह अपनी मां के साथ टू-व्हीलर पर खेत में वापस गया और अपनी दादी को ढूंढने लगा.

बच्ची को किडनैप करने की साज़िश

अकोला. जब म्युनिसिपल और नगर पंचायत चुनाव का जोश चल रहा था, उसी दौरान मंगलवार को हिवरखेड़ में सात साल की बच्ची को किडनैप करने की कोशिश की गई. लोगों की सतर्कता से एक बड़ी मुसीबत टल गई. संदिग्ध किडनैपर को लोगों ने पकड़कर पीटा. पुलिस ने समय रहते दखल देकर संदिग्ध आरोपी को हिरासत में ले लिया. जिले में म्युनिसिपल और नगर पंचायत चुनाव की जंग चल रही है. इन लोकल चुनावों के लिए आज वोटिंग हुई. हिवरखेड़ में भी म्युनिसिपल चुनाव के लिए वोटिंग शुरू हो रही थी.

वोटों की गिनती में देरी : राजस्व मंत्री बावनकुले ने की आलोचना

चुनाव आयोग की यह गड़बड़ी

राष्ट्रबाण

नागपुर. इलेक्शन कमीशन की गड़बड़ी की वजह से म्युनिसिपल काउंसिल और नगर पंचायत चुनाव के नतीजे अब देरी से आए हैं. सिर्फ उन्हीं जगहों पर नतीजे पेंडिंग होने चाहिए थे. लेकिन, चुनाव टालने के गलत तरीके की वजह से अब सभी नतीजों में देरी हो गई है. इससे उम्मीदवारों में निराशा है और सभी पार्टियों के नेता इसका विरोध कर रहे हैं, रेवेन्यू मिनिस्टर चंद्रशेखर बावनकुले ने नागपुर में मीडिया से बात करते हुए इसकी आलोचना की. बावनकुले ने आगे कहा कि राज्य सरकार ने कई बार इलेक्शन कमीशन से बात की है और लेटर भी लिखा है; लेकिन कमीशन ने कोई नोटिस नहीं लिया है. यह गड़बड़ी समझ से बाहर है. आने वाले चुनाव बड़े हैं, इसलिए राज्य इलेक्शन कमीशन को यह

गड़बड़ी खत्म करनी चाहिए. पता चला है कि सेंट्रल इलेक्शन कमीशन ने राज्य इलेक्शन कमीशन से रिपोर्ट मांगी है. कमीशन को जो गलत हुआ है उसे ठीक करना चाहिए. राज्य की जनता को गुमराह करना ठीक नहीं है. पता नहीं राज्य इलेक्शन कमीशन को किसने सलाह दी. हम 25 साल से चुनाव लड़ रहे हैं. मैं एक लोकल बॉडी से MLA बना, लेकिन मैंने ऐसी गड़बड़ी कभी नहीं देखी. यह पहली बार है जब स्टेट इलेक्शन कमीशन ऐसी गलती करता हुआ दिख रहा है, इसलिए हम बहुत नाराज़ हैं, उन्होंने कहा. कुछ अपोज़िशन आरोप लगा रहे हैं कि स्टेट गवर्नमेंट इसमें दखल दे रही है. हालांकि, स्टेट इलेक्शन कमीशन एक ऑटोनॉमस बॉडी है. इसमें हमारा कोई दखल नहीं है. हर चीज़ में पॉलिटिक्स करना ठीक नहीं है. महाराष्ट्र के वोटर्स ने बहुत जोश के साथ वोट किया है और यह साफ़ है कि लोगों ने महायुति और BJP के पक्ष में वोट किया है. महायुति गवर्नमेंट ने डेवलपमेंट मॉडल दिया है, लोगों ने उस प्लान के लिए वोट किया है. चीफ़ मिनिस्टर की लीडरशिप को लोगों का ज़बरदस्त सपोर्ट मिला है. उन्होंने भरोसा जताया कि BJP को 51 परसेंट वोट मिलेंगे.

इलेक्शन कमिश्नर के खिलाफ इंपीचमेंट लाया जाना चाहिए: नाना पटोले

राज्य के मुख्यमंत्री फडणवीस का कहना है कि इलेक्शन कमीशन का ऐसा प्रोसेस वह पहली बार देख रहे हैं, अगर मुख्यमंत्री खुद यह कह रहे हैं, तो संविधान के आर्टिकल 243 के मुताबिक इलेक्शन कमिश्नर के खिलाफ इंपीचमेंट लाया जाना चाहिए. हम आपके साथ हैं. हम भी इलेक्शन कमीशन का प्रोसेस पहली बार देख रहे हैं.. लेकिन, अगर सरकार इसके बावजूद इंपीचमेंट नहीं करने जा रही है, तो यह कहने की गुंजाइश है कि आप इलेक्शन कमीशन के पीछे पड़े हैं, कांग्रेस नेता नाना पटोले ने आलोचना की. लोकल बॉडी इलेक्शन में जो इलेक्शन कमिश्नर दिखे हैं और जिन्होंने वोटर्स में गुस्सा पैदा करने का काम किया है, उनके खिलाफ इंपीचमेंट लाया जाना चाहिए. हम यह भी मांग करते हैं कि इलेक्शन कमिश्नरों के खिलाफ इंपीचमेंट के लिए स्पेशल सेशन बुलाया जाए, उन्होंने कहा.

बुलढाणा में बोगस वोटिंग

विधायक बेटे ने बोगस वोटर को भगाने में की मदद

भाजपा जिला अध्यक्ष शिंदे ने लगाया आरोप

राष्ट्रबाण

बुलढाणा. बुलढाणा शहर के गांधी प्राइमरी स्कूल और ।।। पोलिंग स्टेशन पर, शहर से बाहर गए मृत वाटरों के नाम पर या किसी और के नाम पर वोट देते हुए पकड़े गए हैं. जब कुछ उम्मीदवारों ने एक बोगस वोटर को पकड़ा जो किसी और के नाम पर बोगस आधार कार्ड लेकर वोट देने आया था. नागरिकों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी. उसकी पिटाई के दौरान, विधायक के बेटे और उस वार्ड के शिवसेना पार्टी के उम्मीदवार और उनके रिश्तेदारों और कुछ कार्यकर्ताओं ने पुलिस द्वारा पकड़े गए बोगस वोटर को भागने में मदद की. ऐसा आरोप भाजपा के बुलढाणा जिला अध्यक्ष विजयराज शिंदे ने लगाया है. विजयराज शिंदे ने चुनाव आयुक्त से मांग की है कि बोगस पहचान पत्र बनाकर वोट देने की कोशिश करना, सरकारी काम में रुकावट डालना, पुलिस द्वारा पकड़े गए बोगस वोटर को भागने में मदद करना, बोगस वोट देने के लिए उकसाना और वोटिंग को प्रभावित करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए.

बुलढाणा में पकड़े गए 2 फर्जी वोटर

बुलढाणा नगर परिषद चुनाव के लिए वोटिंग आज, 2 दिसंबर को सुबह 7 बजे शुरू हो गई है. इस दौरान जिले की मोताला तहसील में बोगस वोटिंग किए जाने का मामला सामने आया है. वार्ड नंबर 15 का पोलिंग स्टेशन गांधी प्राइमरी स्कूल में है. मोताला तहसील के कोथली से वैभव देशमुख नाम के एक व्यक्ति को वोटिंग के बाद उम्मीदवार ने पकड़ा है. उसके साथ एक और व्यक्ति था. इन दोनों लोगों को बोगस वोटिंग करते हुए पकड़ा गया. कोथली और इब्राहिमपुर से कुछ और लोगों को बोगस वोटिंग के लिए लाया गया था. चर्चा है कि इस बीच, घाट से करीब दो वाहनों से बुलढाणा बोगस वोटर लाए गए हैं.

श्री निकेतन महाविद्यालय में प्लेसमेंट ड्राइव उत्साहपूर्वक संपन्न

राष्ट्रबाण

नागपुर. श्री निकेतन आर्ट्स एवं कॉमर्स कॉलेज में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज़ (TCS) द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव उत्साह के साथ संपन्न हुआ. इस ड्राइव में सत्र 2024–25 के बी.ए., बी.कॉम. और बीसीसीए शाखाओं से उत्तीर्ण विद्यार्थियों ने सहभागिता दर्ज कराई. कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मेधा कानेटकर ने दीप प्रज्वलित कर किया. प्रमुख अतिथि के रूप में TCS कंपनी के मा. अर्पित रहमतकर, शीतल शेंडे, स्वाती मोरघडे, निलेंदु मिश्रा तथा महाविद्यालय के उपप्राचार्य डॉ. राजेंद्र मालोकर मंच पर उपस्थित थे.

प्रमुख अतिथियों ने कंपनी की कार्यप्रणाली, करियर अवसरों और इंटरव्यू प्रक्रिया के बारे में विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया. ड्राइव में एप्टीट्यूड टेस्ट, समूह चर्चा, तकनीकी इंटरव्यू और व्यक्तिगत इंटरव्यू - ऐसे चार चरणों की प्रक्रिया आयोजित की गई. चयनित विद्यार्थियों का प्राचार्या डॉ. कानेटकर ने अभिनंदन किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं. कार्यक्रम का संचालन डॉ. कांचन जोशी ने किया और आभार प्रदर्शन प्रा. कनिरे ने किया. कार्यक्रम की सफलता में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों और कार्यालयीन कर्मचारियों का सहयोग रहा तथा विद्यार्थियों से उत्कृष्ट प्रतिसाद मिला.

विदर्भ में 10 डिग्री तक गिरेगा पारा

अमरावती. उत्तर से चल रही ठंडी हवाओं की वजह से शहर के न्यूनतम तापमान में कमी आई है. सोमवार 1 तारीख को न्यूनतम तापमान 12.5 और अधिकतम तापमान 30.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया. न्यूनतम तापमान के साथ-साथ अधिकतम तापमान में भी कमी आ रही है. फिलहाल, हल्के बादल छाए हुए हैं और साइक्लोन सेन्यार ठंडा हो गया है. डिटवा नाम का तूफान श्रीलंका के पास एक्टिव हो गया है और आंध्र प्रदेश में रुक गया है. इस वजह से जिले में हल्के बादल छाए हुए हैं. 4 तारीख तक यह बादल छंटने के बाद, इसी दौरान हिमालय में बर्फबारी की संभावना है. जिसके चलते जिले में पारा 10 डिग्री से नीचे गिरने की संभावना है.

डिजिटल अरेस्ट : 96 लाख की ठगी

60 वर्षीय व्यक्ति से फर्जी पुलिस बनकर की लूट

राष्ट्रबाण

यवतमाल. यवतमाल में डिजिटल अरेस्ट के नाम पर बड़ी ठगी का मामला सामने आया. सारस्वत चौक क्षेत्र में एक अज्ञात व्यक्ति ने 60 वर्षीय व्यक्ति से फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर करीब 96 लाख रुपये हड़प लिए. पीड़ित की शिकायत पर अवधूतवाड़ी पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी. अवधूतवाड़ी थाना क्षेत्र के सारस्वत चौक में रहने वाले 60 वर्षीय गिरीश श्रीधर कलासपुरकर को एक अज्ञात नंबर से व्हाट्सऐप वीडियो कॉल आया. खुद को कोलाबा पुलिस स्टेशन का अधिकारी बताने वाले व्यक्ति ने गिरीश को धमकाया कि उनके नाम पर केनरा बैंक में फर्जी अकाउंट खोला गया है और उनके अकाउंट से पांच राज्यों में 250 करोड़ रुपये नक्सलियों को ट्रांसफर किए गए हैं. धमकियों से घबराकर गिरीश ने आरोपी को अपना एटीएम कार्ड की फोटो भेज दी.

इसके बाद आरोपी लगातार हर दो घंटे में उन्हें डिजिटल अरेस्ट की धमकी देता रहा. डर के माहौल में पीड़ित ने विभिन्न खातों में 14 लाख, 8 लाख, 5 लाख, 2.5 लाख, 2.5 लाख और इस तरह की कई किश्तों में कुल

96 लाख 60 हजार 730 रुपये ट्रांसफर कर दिए. आरोपी ने उनसे खेती के लिए लोन लेने तक की सलाह दी, तभी गिरीश को शक हुआ कि उनके साथ बड़ी ठगी हो गई है. इसके बाद उन्होंने साइबर थाने और फिर अवधूतवाड़ी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने अब अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

अवैध रेत माइनिंग नहीं रुकी!

अमरावती जिले में 5 'हायवा' किए ज़ब्त

राष्ट्रबाण

अमरावती. रेवेन्यू डिपार्टमेंट ने अमरावती तालुका में अवैध रेत माइनिंग और ट्रांसपोर्टेशन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की. इस कार्रवाई में पांच हायवा के खिलाफ कार्रवाई की गई. सभी पांच हायवा को ज़ब्त करके नए तहसील ऑफिस में रखा गया है. जिले के कई हिस्सों में रेत की तस्करी जारी है. अवैध माइनर मिनरल ट्रांसपोर्टेशन को रोकने के लिए फ्लाइंग स्क्वॉड द्वारा गाड़ियों की जांच की जा रही है. जांच के दौरान, अवैध माइनर मिनरल माइनिंग और ट्रांसपोर्टेशन में शामिल गाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है. डिस्ट्रिक्ट माइनिंग ऑफिसर प्रणिता चैपले, सब-डिविजनल ऑफिसर अनिल भटकर, तहसीलदार विजय लोखंडे की टीम पेट्रोलिंग पर थी. अमरावती-दावरगांव रोड पर गाड़ियों की जांच के दौरान, MH 27/DT 9366, MH 27DT 6494, MH 27/DT 4555, MH 27/DL 6494, MH 27/DT 1480 गैर-कानूनी तरीके से रेत ले जाते पाए गए. टीम ने सभी पांच ट्रकों को जब्त सामान के साथ जब्त कर लिया. जब्त किए गए MH को आगे की कार्रवाई के लिए अमरावती तहसील ऑफिस में रखा गया है.

लाइसेंस सस्पेंड किए जाएंगे

राज्य सरकार ने राज्य में रेत की तस्करी रोकने के लिए सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं. इसके मुताबिक, अब अगर कोई गाड़ी रेत की तस्करी करते हुए पाई जाती है, तो लाइसेंस सस्पेंड कर दिए जाएंगे या तीसरी बार जुर्म पाए जाने पर गाड़ी के लाइसेंस हमेशा के लिए कैंसिल कर दिए जाएंगे. रेवेन्यू डिपार्टमेंट ने बुधवार को इस बारे में एक सर्कुलर जारी किया है. राज्य में बड़े पैमाने पर रेत और दूसरे छोटे खनिजों की चोरी से सरकारी रेवेन्यू और पर्यावरण को भारी नुकसान होता है. इसके अलावा, गैर-कानूनी धंधे की वजह से क्राइम बढ़ रहा है और कार्रवाई के लिए जाने वाले सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की जान खतरे में डालने की घटनाएं सामने आई हैं. गैर-कानूनी माइनिंग और ट्रांसपोर्टेशन में लगी गाड़ियों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट, 1988 के सेक्शन 86 के तहत कार्रवाई की जाएगी. पहली बार गलती करने पर लाइसेंस (परमिट) 30 दिन के लिए सस्पेंड कर दिया जाएगा और गाड़ी सीज कर दी जाएगी. उसके बाद, अगर गलती दोहराई जाती है, तो लाइसेंस दो महीने के लिए कैंसिल कर दिया जाएगा और गाड़ी सीज कर दी जाएगी. अगर उसके बाद भी नियम तोड़ने पर सुनवाई नहीं होती है और तीसरी बार ऐसा पाया जाता है, तो लाइसेंस हमेशा के लिए कैंसिल कर दिया जाएगा और गाड़ी को रीजनल ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी द्वारा आगे की कार्रवाई के लिए सीज कर दिया जाएगा.

न्यूट्रिशनिस्ट साक्षी लालवानी ने पाम ऑयल, लेबल्स और

रोज़ाना के न्यूट्रीशन पर मिथकों को तोड़ा

राष्ट्रबाण

नागपुर. खाना पकाने के लिए कौन सा तेल वाकई सेहतमंद है, इसे लेकर बढ़ रही उलझन के बीच, मौजूदा पॉडकास्ट सीरीज़ भारतीयों को सोच-समझकर, विज्ञान-आधारित चुनाव करने में मदद करना चाहती है. एक एपिसोड में न्यूट्रिशनिस्ट साक्षी लालवानी ने खाना पकाने के तेल को चुनने, लेबल पढ़ने और खाना बनाने की सुरक्षित प्रक्रियाओं को लेकर रोजमर्रा की चिंताओं को स्पष्ट किया है. ये एपिसोड घरेलू खाने की बातचीत को फैट, पोषण और भारतीय रसोई में पाम ऑयल की महत्वपूर्ण भूमिका पर सबूत-आधारित जानकारी से जोड़ते हैं. पहले एपिसोड में, साक्षी ने पाम ऑयल की बुनियादी बातें समझाईं. उन्होंने बताया कि यह एक प्लांट-बेस्ड ऑयल है, जो ऑयल पाम के फल से निकाला जाता है. वे बताती

हैं कि पाम ओलिन प्राकृतिक रूप से ट्रांस-फैट मुक्त होता है, उच्च तापमान पर स्थिर रहता है, और इसमें विटामिन ई टोकोट्राइनॉल्स होते हैं, जबकि रेड पाम ऑयल में बीटा-कैरोटीन है – जो प्रोविटामिन ए का स्रोत है. वे पाम ऑयल के संतुलित फैटी एसिड मिश्रण पर जोर देती हैं (लगभग 50% संतृप्त, 40% मोनो-अनसैचुरेटेड और 10% पॉलीअनसैचुरेटेड फैट्स) और उनका कहना है कि सेहतमंद भोजन खाना पकाने की स्मार्ट आदतें हैं, न कि किसी एक तेल को पूरी तरह हटा देना. अगले एपिसोड में, उन्होंने "नो पाम ऑयल" लेबलों की बढ़ती मौजूदगी पर चर्चा की और बताया कि ये टैग मुख्य रूप से मार्केटिंग से प्रभावित हैं, जो स्वस्थ होने का भ्रम पैदा करते हैं, वो भी वास्तविक पोषण मूल्य को दिखाए बगैर.

पाम ऑयल के बारे में क्या कहता है विज्ञान

इस सीरीज में जोर दिया गया है कि संतुलित आहार का हिस्सा बनने पर पाम ऑयल में टोकोट्राइनॉल्स और कैरोटेनॉइड्स (रेड पाम ऑयल में) जैसे फायदेमंद कंपाउंड्स होते हैं, जो शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट्स हैं. फूड साइंस बताती है कि पाम ऑयल उच्च तापमान पर स्थिर रहता है, ऑक्सीडेशन के प्रति रेजिस्टेंट है, स्वाद में न्यूट्रल है, इसकी शेल्फ लाइफ ज्यादा होती है, अन्य वनस्पति तेलों की तुलना में हानिकारक कंपाउंड्स बनने की संभावना कम है, और प्राकृतिक रूप से ट्रांस-फैट मुक्त है तथा इसमें पार्शियल हाइड्रोजनेशन प्रक्रिया की जरूरत नहीं पड़ती. यह भोजन में कम तेल सोखता है, जिससे क्रिस्प और एकसमान तले हुए व्यंजन मिलते हैं.

आईसीएमआर डाइटरी गाइडलाइंस के मुताबिक

साक्षी आईसीएमआर–एनआईएन डाइटरी गाइडलाइंस (2024) को मजबूत करती हैं, जो प्रति व्यक्ति प्रतिदिन विजिबल फैट को 25–30 ग्राम तक सीमित रखने और संतुलित फैटी एसिड प्रोफाइल बनाए रखने के लिए विभिन्न प्लांट-बेस्ड ऑयल को रोटेट करने की सलाह देती हैं.

वोटिंग के समय इलाके में तनाव

अकोट में 2 गुटों में मारपीट

राष्ट्रबाण

अकोला. चुनाव से ठीक एक दिन पहले अकोला जिले के अकोट में दो गुटों के बीच बड़ी झड़प हो गई. बताया जा रहा है कि यह घटना अकोट शहर के जिला परिषद उर्दू स्कूल के पास हुई. घटना के बाद कुछ देर के लिए इलाके में अफरा-तफरी और तनाव का माहौल बन गया. सूत्रों के मुताबिक, अकोट शहर में चल रही वोटिंग के दौरान दो राजनीतिक पार्टियों के कार्यकर्ताओं के बीच किसी बात पर बहस हो गई. बहस बढ़ती गई और मारपीट में बदल गई. दोनों गुटों के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए, जिससे हालात काबू से बाहर होने की संभावना बन गई. इस बीच, पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और दोनों गुटों को अलग करके हालात को काबू में किया.

अकोट पुलिस स्टेशन से मिली जानकारी के मुताबिक, फिलहाल हालात काबू में हैं. हालांकि, पुलिस ने इलाके में एक्स्ट्रा सिक्योरिटी तैनात कर दी है और पेट्रोलिंग बढ़ा दी है. वोटिंग के दिन हुई इस घटना से अकोट शहर का माहौल और गरम होने की संभावना है.

व्यवसाय कभी भी पुराने न होने वाले प्राकृतिक हीरों के इंटेंशन पेंडेंट्स आपकी मदद करेंगे

अपनी इच्छाओं को गहरे उद्देश्य के साथ हकीकत में बदलें

राष्ट्रबाण

नागपुर. नया साल अब आने ही वाला है, 2026 का स्वागत अपने अनोखे और खूबसूरत तरीके से करना चाहती हैं, तो प्रस्तुत है एक विशेष कलेक्शन! यह उन महिलाओं के लिए बना है, जो अपनी कहानी खुद लिखती है, अपने इरादे खुद तय करती है और अपनी प्रतिभा को अपनी सबसे बड़ी ताकत बनाती है. डी बीयर्स ग्रुप का नया कलेक्शन इंटेंशन पेंडेंट्स, जिसमें हर पेंडेंट के बीचोबीच एक दुर्लभ, प्राकृतिक हीरा जड़ा गया है, जो रत्न की सकारात्मकता और कालातीत सुंदरता को आकर्षित करता है. इसे डिज़ाइन करते समय व्यक्तिगत ऊर्जा के साथ-साथ ब्रह्मांड की सुंदरता से प्रेरणा ली गयी है. यह पेंडेंट एक व्यक्तिगत मार्गदर्शक की तरह काम करता है, जो दिल के पास रहकर पहनने वाली महिला को उसकी आंतरिक शक्ति और उसके जीवन के सच्चे उद्देश्यों से जोड़े रखता है. प्राकृतिक हीरों से बना हर एक इंटेंशन पेंडेंट केवल प्रतीकों को दर्शाता नहीं हैं, बल्कि ब्रह्मांड की दिव्य ऊर्जा, शक्तिशाली आभा और आत्मविश्वास के साथ उन्हें वास्तविक रूप में पहनने योग्य बनाता हैं. प्राकृतिक हीरों का घेरा/चक्र गति और प्रगति को दर्शाता है, आपको आगे बढ़ते रहने के लिए बढ़ावा देता है. यह डिज़ाइन आपको जीवन में आगे बढ़ने, बदलने और बेहतर बनने के लिए प्रेरित करता है. यह एक निष्क्रिय आभूषण नहीं, बल्कि प्रगति का एक सक्रिय प्रतीक है. यह जीवन दर्शन का एक रूपक है जो पहनने वाले को अपनी अंतरात्मा की आवाज़ सुनने, अपने सपनों का ईमानदारी से पीछा करने और हीरे के समान मजबूत और उज्ज्वल बनकर निरंतर विकसित होने के लिए प्रोत्साहित करता है. इसे पहने रखें, यह आपको आने वाले वर्ष में प्रगति और उद्देश्य के लिए प्रोत्साहित करेगा. काम पर जाना हो या किसी भी कैज्युअल दिन के लिए हो, यह बेहतरीन है. अपने जीवन के अगले दौर में कदम रख रहे किसी भी व्यक्ति के लिए यह शक्ति प्रदान करेगा.

इनर रेडियन्स - आतंरिक चमक

प्राकृतिक हीरों से बने इंटेंशन पेंडेंट की चमक असाधारण गुणवत्ता को दर्शाती है, इसे देखकर लगता है मानो ऊर्जा का विस्फोट हो रहा है. डिज़ाइन के बीचोबीच एक बड़ा, अत्यंत चमकदार हीरा है, उसके चारों ओर गोल और आयताकार आकार के हीरे हैं. यह पेंडेंट सिर्फ एक गहना नहीं है, बल्कि पहनने वाले की व्यक्तिगत ऊर्जा और प्रभाव का प्रतीक है. यह डिज़ाइन इतनी तीव्रता से चमकता है कि यह आपके व्यक्तित्व के विस्फोट जैसा लगता है, जो आपकी उपस्थिति को असाधारण और अविस्मरणीय बना देता है. नए साल में कुछ नया कर दिखाने की भावना में, अपने आप से किया गया एक स्टाइलिश वादा मानकर इसे पहनें, ताकि आप अपनी शर्तों पर चमक सकें. चमकदार तारों की तरह यह अनोखा है, बहुत ही आकर्षक, शानदार है. रात में दोस्तों के साथ बाहर घूमने जाना हो, कोई खास सेलिब्रेशन हो या किसी भी फॉर्मल इवनिंग मीटिंग में भी आप बहुत ही आसानी से इसे पहन सकती है.

तापमान. नागपुर, अधिकतम 29.2°C न्यूनतम 12.4°C

राष्ट्रबाण नागपुर VISION

।। धर्मो रक्षति रक्षितः।।

नागपुर, बुधवार, 3 दिसंबर 2025

सभी नगर परिषदों के वोटों की गिनती होगी एक साथ

अब नतीजे 21 को घोषित किए जाएंगे

राष्ट्रबाण

नागपुर. महाराष्ट्र म्युनिसिपल इलेक्शन रिजल्ट 2025 डेटः बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच ने आदेश दिया है कि राज्य के सभी म्युनिसिपल और नगर पंचायत चुनावों के नतीजे 21 दिसंबर को एक साथ घोषित किए जाएंगे. कोर्ट ने यह भी साफ किया कि 20 दिसंबर के चुनाव तक आचार संहिता लागू रहेगी और कोई भी एग्जिट पोल जारी नहीं कर पाएगा. दो दिन पहले, इलेक्शन कमीशन ने राज्य की कुछ म्युनिसिपल काउंसिल और नगर पंचायतों के चुनाव टाल दिए थे. राज्य में आज म्युनिसिपल काउंसिल और नगर पंचायतों के लिए वोटिंग हो रही है. इन चुनावों के नतीजे कल घोषित होने थे. लेकिन, अब इन चुनावों के नतीजे 21 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे. यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि चुनाव ट्रांसपेरेंट रहें. कल के नतीजों का असर अगले चुनावों पर पड़ सकता है. नतीजों को टालने के लिए एक पिटीशन फाइल की गई थी. कोर्ट ने आज इस बारे में अपना फैसला सुनाया है. राज्य चुनाव आयोग ने 4 नवंबर को जो प्रोग्राम शुरू में बताया था, उसके मुताबिक राज्य की 246 नगर पालिकाओं और 42 नगर पंचायतों के चुनाव 2 दिसंबर को होने थे और नतीजे 3 दिसंबर को आने थे.

लेकिन, चुनाव आयोग ने उन सभी नगर पालिकाओं और नगर परिषदों के चुनाव टाल दिए हैं, जहां सदस्य पद के उम्मीदवारों के खिलाफ याचिकाएं दायर की गई हैं, जबकि मेयर पद के उम्मीदवारों के खिलाफ सिर्फ संबंधित वार्ड और मेयर के लिए याचिकाएं दायर की गई हैं. इसके लिए 29 नवंबर को नया शेड्यूल घोषित किया गया है. इसके मुताबिक, संबंधित नगर पालिकाओं, नगर परिषदों और वार्डों में 20 दिसंबर को वोटिंग होगी और नतीजे 21 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे. इसके खिलाफ वर्धा जिले के देवली से उमेश कामदी और दो अन्य और वरोरा से सचिन चुटे और कुछ अन्य लोगों ने हाई कोर्ट में याचिकाएं दायर की थीं. जस्टिस अनिल किलोर और रजनीश व्यास के सामने इसकी सुनवाई हुई. इसके बाद कोर्ट ने यह आदेश दिया. आज की वोटिंग के लिए सभी EVM मशीनें 21 तारीख तक रखनी होंगी. इससे प्रशासन पर दबाव पड़ेगा.

रामटेक नगर परिषद चुनाव में 65.36% मतदान

मतदान केंद्रों पर प्रत्याशियों और उनके कार्यकर्ताओं की भीड़ उमड़ पड़ी

राष्ट्रबाण

रामटेक. रामटेक नगर परिषद का आम चुनाव आज, 2 दिसंबर को, कुछ मतदान केंद्रों पर मामूली झड़पों को छोड़कर, शांतिपूर्ण से संपन्न हुआ. निर्वाचन अधिकारी रमेश कोलपे और सहायक निर्वाचन अधिकारी पल्लवी राउत के मार्गदर्शन में,साथ ही उप-विभागीय पुलिस अधिकारी रमेश बरकते की कड़ी पुलिस सुरक्षा में,आज की मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण संपन्न हुई.

इस बीच, सुबह 7:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक मतदान प्रतिशत 65.36% रही. शहर के विभिन्न मतदान केंद्रों पर आज सुबह 7:30 बजे से मतदान प्रक्रिया शुरू हुई. अधिकांश लोग सुबह मतदान करने और अपने-अपने काम पर जाते देखे गए. इस बीच, सुबह 7:30 बजे से 11:30 बजे तक मतदान प्रतिशत 14.47 था और सुबह 11:30 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक मतदान प्रतिशत 41.76 तक पहुँच गया. दोपहर के समय मतदान का प्रवाह थोड़ा धीमा हो गया था, लेकिन शाम 4 बजे से शाम 5:30 बजे तक मतदान केंद्र पर लोगों की भीड़ फिर से बढ़ गई. इस बीच, सुबह 7:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक कुल मतदान प्रतिशत 65.36 रहा और कुल 20,508 मतदाताओं में से, 6,727 महिला मतदाता और 6,677 पुरुष मतदाता, कुल 13,404 मतदाताओं ने रामटेक नगर परिषद के आम चुनावों में अपने मताधिकार का प्रयोग किया.

नागपुर विश्वविद्यालय को मिली पहली महिला कुलगुरु

डॉक्टर मनाली क्षीरसागर होंगी 25वीं कुलगुरू

राष्ट्रबाण

नागपुर. लगातार दो वर्षों तक कुलपति पद खाली रहने के बाद नागपुर विश्वविद्यालय में आखिरकार स्थायी नेतृत्व स्थापित हो गया है. इतिहास रचते हुए डॉ. मनाली मकरंद क्षीरसागर को विश्वविद्यालय की पहली महिला कुलगुरु नियुक्त किया गया है. इस नियुक्ति के साथ न सिर्फ प्रशासनिक ठहराव की स्थिति समाप्त होने की उम्मीद है, बल्कि विश्वविद्यालय में नई ऊर्जा, पारदर्शिता और सुधारों के दौर की भी शुरुआत मानी जा रही है. नागपुर विश्वविद्यालय में लंबे समय से लंबित कुलगुरु नियुक्ति का रास्ता आखिरकार साफ हो गया. राज्यपाल और कुलाधिपति द्वारा यशवंत राव चव्हाण अभियांत्रिक महाविद्यालय की तकनीकी डायरेक्टर व सलाहकार डॉक्टर मनाली मकरंद क्षीरसागर को 25वीं नियमित कुलगुरु के रूप में नियुक्त करने के आदेश जारी कर दिए गए हैं. खास बात यह है कि विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार किसी महिला को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिससे शैक्षणिक जगत और छात्र समुदाय में सकारात्मक प्रतिक्रिया देखी जा रही है.

डॉ. क्षीरसागर की नियुक्ति के साथ अब उम्मीद जताई जा रही है कि विश्वविद्यालय की ठप पड़ी प्रक्रिया को गति मिलेगी. उनके सामने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सुधार, अधूरे फैसलों को पूरा करने, शोध और नवाचार को बढ़ावा देने तथा प्रशासनिक पारदर्शिता को मजबूत करने जैसी कई चुनौतियां होंगी. छात्रों और शिक्षकों ने एक स्वर में उम्मीद जताई है कि डॉ. क्षीरसागर की नियुक्ति से प्रशासनिक सक्रियता बढ़ेगी, लटके हुए मुद्दों का समाधान होगा और नागपुर विश्वविद्यालय एक बार फिर शैक्षणिक गुणवत्ता के नए मानक स्थापित करेगा.

दो साल से विश्वविद्यालय स्थायी कुलगुरु के अभाव में कार्यवाहक व्यवस्था पर चल रहा था, जिसके चलते कई महत्वपूर्ण फैसले लंबित थे और प्रशासनिक गतिविधियां धीमी पड़ गई थीं. छात्रों से लेकर शिक्षकों तक, सभी वर्ग विश्वविद्यालय में सक्षम व स्थायी नेतृत्व की मांग कर रहे थे. एनएसयूआई सहित कई छात्र संगठनों ने नियुक्ति में हो रही देरी को लेकर लगातार आवाज बुलंद की थी और जल्द से जल्द कुलपति नियुक्त करने की मांग की थी.

फास्ट ट्रैक

गीता अंत्याक्षरी का आयोजन 7 को

नागपुर. संस्कृत सखी सभा ने रविवार, 7 दिसंबर को दोपहर 3:30 बजे नटराज आर्ट एंड कल्चर सेंटर, धरमपेठ में श्रीमद् भगवद गीता पर आधारित एक अंत्याक्षरी कॉम्पिटिशन रखा है. गीता अंत्याक्षरी का यह तीसरा साल है. इस प्रोग्राम का कॉन्सेप्ट मिसेज कीर्ति मराठे का है, और डॉ. विजया जोशी के गाइडेंस में मिसेज कल्याणी रोडे, डॉ. भारती पोल्के, मिसेज अनुश्री जोशी कोलेबोरेट कर रही हैं. ऑडियंस सवाल-जवाब के ज़रिए हिस्सा लेगी. फिर, संस्कृत सखी सभा ने बड़ी संख्या में आने और प्राइज़ पाने की अपील की है.

गंदगी फैलाने के 55 मामले दर्ज

नागपुर. नागपुर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की न्यूसेंस इन्वेस्टिगेशन टीम पब्लिक जगहों पर पेशाब करने, कचरा फेंकने, थूकने और 79 माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक बैग इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है. मंगलवार (ता. 2) को इन्वेस्टिगेशन टीम ने 55 केस दर्ज किए और 39,400 रुपये का जुर्माना वसूला. ठेले, स्टॉल, पानठेले, फेरीवाले, छोटे सब्जी बेचने वालों पर आस-पास के इलाके में गंदगी फैलाने की कैटेगरी में 17 केस दर्ज किए (400 रुपये जुर्माना) और 6,800 रुपये वसूले. सड़क, फुटपाथ, खुली जगहों पर कचरा फेंकने वाले लोगों की कैटेगरी में 2 केस दर्ज किए.

वास्तुशास्त्र पर आधारित पहले ब्रेल ग्रंथों का 3 को प्रकाशन

'विश्व दिव्यांग दिवस' पर विशेष कार्यक्रम

राष्ट्रबाण

नागपुर. समदृष्टि क्षमता विकास एवं अनुसंधान मंडल (सक्षम), नागपुर और द ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन के संयुक्त प्रयास से, श्री संत गुलाबराव महाराज ब्रेल ग्रंथ निर्माण केंद्र के माध्यम से 'विश्व दिव्यांग दिवस' के अवसर पर वास्तुशास्त्र पर आधारित पहले ब्रेल ग्रंथों का 3 दिसंबर को प्रकाशन किया जा रहा है. गोवा के प्रसिद्ध वास्तु विशेषज्ञ और लेखक श्री जयवंत फोंडू धोंड द्वारा लिखित 'मानसार-स्वयंस्थपति' और 'वास्तूसागर' ये दो ग्रंथ ब्रेल लिपि में तैयार किए गए हैं. दृष्टिबाधित व्यक्तियों को वास्तुशास्त्र की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार इन पुस्तकों की विशेषता यह है कि इनमें चित्र भी ब्रेल में दिए गए हैं. इस प्रकार का यह पहला प्रयास है, जिसके माध्यम से जयवंत फोंडू धोंड ने दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए एक नया द्वार खोल दिया है. कार्यक्रम का आयोजन नवदृष्टि सभागार, बी. आर. ए. मुंडले विद्यालय परिसर, दक्षिण अंबाझरी मार्ग, नागपुर में 3 दिसंबर को शाम 4:30 बजे किया जाएगा. कार्यक्रम की अध्यक्षता द ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन के अध्यक्ष मकरंद पांढरीपांडे करेंगे. कवी कुलगुरु संस्कृत विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. कृष्णकुमार पांडेय मुख्य अतिथि होंगे. साथ ही श्री जयवंत फोंडू धोंड (गोवा) की विशेष उपस्थिति रहेगी. सक्षम गोवा के अध्यक्ष अभय प्रभु और सक्षम नागपुर महानगर के अध्यक्ष डॉ. मिलिंद हरदास भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे.

सेंट्रल रेलवे 4 से 8 दिसंबर तक 15 ट्रेनें शुरू करेगा

महापरिनिर्वाण दिवस के मौके पर 15 स्पेशल ट्रेनें

राष्ट्रबाण

नागपुर. यात्रियों की सुविधा और डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के मौके पर श्रद्धांजलि देने के लिए यात्रा करने वाले भाविकों की सुविधा के लिए, सेंट्रल रेलवे 4 से 8 दिसंबर तक 15 अनरिज़र्व्ड ट्रेनें शुरू करेगा. नागपुर – छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस 4 दिसंबर को रवाना होगी. ट्रेन नंबर 01260 नागपुर – छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्पेशल ट्रेन नागपुर से शाम 6:15 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 10:55 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुंचेगी. ट्रेन नंबर 01262 नागपुर – छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्पेशल ट्रेन नागपुर से रात 11:55 बजे रवाना होगी और अगले दिन दोपहर 3:30 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुंचेगी.

5 दिसंबर को रवाना होने वाली ट्रेनें इस प्रकार हैं. ट्रेन नंबर 01264 नागपुर – छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्पेशल नागपुर से सुबह 8.00 बजे निकलेगी और उसी दिन दोपहर 12.45 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुंचेगी. ट्रेन नंबर 01266 नागपुर – छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्पेशल नागपुर से शाम 6.15 बजे निकलेगी और अगले दिन सुबह 10.55 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुंचेगी. यह ट्रेन अजनी से निकलेगी और सेवाग्राम, वर्धा, पुलगांव, धामनगांव, बडनेरा, मुर्तिजापुर, अकोला, जलंब, मलकापुर, भुसावल, जलगांव, चालीसगांव, मनमाड, नासिक रोड, इगतपुरी, कसारा, कल्याण और दादर पहुंचेगी. छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस – नागपुर भी 6 दिसंबर को निकलेगी. ट्रेन नंबर 01249 छत्रपति शिवाजी

महाराष्ट्र में APMC समस्याओं पर CAMIT की राज्य पणन संचालक के साथ सार्थक चर्चा

मुद्दों के समाधान से किसान, व्यापारी तथा उपभोक्ता को मिलेगा लाभ : डॉ. अग्रवाल

राष्ट्रबाण

नागपुर. चेम्बर ऑफ एसोसिएशंस ऑफ महाराष्ट्र इंडस्ट्री एंड ट्रेड (CAMIT) के अध्यक्ष डॉ. दिपेन अग्रवाल ने नवनियुक्त पणन संचालक – स्टेट मार्केट डायरेक्टर, श्री संजय कदम से भेंट कर उन्हें पदभार ग्रहण करने पर हार्दिक शुभकामनाएँ दीं. बैठक के दौरान डॉ. अग्रवाल ने महाराष्ट्र के विभिन्न कृषि उपज बाज़ार समितियों (APMC) से जुड़े कई महत्वपूर्ण और तात्कालिक मुद्दों पर चर्चा की.

प्रमुख मुद्दे इस प्रकार रहे:

मार्केट फीस का तर्कसंगतीकरण – CAMIT ने वर्तमान बाज़ार शुल्क संरचना को सरल और सुव्यवस्थित करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि व्यापारियों और किसानों पर भार कम हो, किसानों को बेहतर मूल्य प्राप्त हो, पारदर्शिता बढ़े और सभी APMC में इसका समान रूप से पालन हो.

APMC सेस एवं मल्टीपल लेवी की समीक्षा : प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न बाज़ार समितियों द्वारा लगाए जा रहे अनेक सेस और लेवी पर गंभीर चिंता व्यक्त की, जिनसे भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है, लेन-देन की लागत बढ़ती है और मूल्य प्रतिस्पर्धा प्रभावित होती है. CAMIT ने इनका व्यापक पुनरावलोकन कर एकरूपता और न्याय सुनिश्चित करने की मांग की.

बाज़ार समितियों द्वारा लगाए गए अवैध चेक पोस्टों का उन्मूलनः CAMIT ने कुछ मार्केट यार्ड समितियों द्वारा संचालित अनधिकृत चेक पोस्टों का मुद्दा उठाया, जिनसे व्यापारियों और परिवहनकर्ताओं को उत्पीड़न, देरी और अनौपचारिक वसूली का सामना करना पड़ता है. प्रतिनिधिमंडल ने इन गैरकानूनी गतिविधियों के विरुद्ध तुरंत और सख्त कार्रवाई की मांग की.

मार्केट यार्ड अवसंरचना का उन्नयन

CAMIT ने मार्केट यार्ड की पायाभूत सुविधाओं में तत्काल सुधार की आवश्यकता रेखांकित की, जिसमें बेहतर आंतरिक सड़कें, शेड, स्वच्छता व्यवस्था, डिजिटल वजन प्रणाली और उन्नत लॉजिस्टिक सुविधाएँ शामिल हैं, जिससे व्यापार अधिक सुगम और प्रतिस्पर्धी बन सके. डॉ. दिपेन अग्रवाल ने बताया कि इन मुद्दों के समाधान से महाराष्ट्र की कृषि आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होगी और इससे किसान, व्यापारी तथा उपभोक्ता—सभी को लाभ मिलेगा. संजय कदम ने सभी मुद्दों को धैर्यपूर्वक सुना और आश्वस्त किया कि CAMIT द्वारा उठाए गए सभी विषयों की गंभीरता से जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी. CAMIT, महाराष्ट्र के कृषि-व्यापार तंत्र के व्यापक हित में सार्थक सुधार लाने के लिए राज्य पणन विभाग के साथ निरंतर सहयोग हेतु प्रतिबद्ध है.

बढ़े हुए पानी के बिलों के खिलाफ मनपा आयुक्त को निवेदन

राष्ट्रबाण

नागपुर. नागपुर शहर के लोगों को O.C.W. के ज़रिए मिलने वाले पानी के बिल बहुत ज़्यादा बढ़ गए हैं और इससे आम लोगों पर बहुत ज़्यादा पैसे का बोझ पड़ रहा है. आज नागपुर मनपा आयुक्त को एक फॉर्मल रिप्रेजेंटेशन दिया गया, जिसमें इन बढ़े हुए बिलों को तुरंत ठीक करने और पानी सप्लाई सिस्टम में सुधार की मांग की गई. इन मांगों के साथ, लोगों के असली सवाल और शिकायतें नागपुर म्युनिसिपल कमिश्नर के सामने रखी गईं और कमिश्नर ने इस मुद्दे पर गंभीरता से ध्यान देने और ज़रूरी कदम उठाने का भरोसा दिया.

यह मांगे रखी गयी

- अनियमित पानी और बढ़े हुए पानी के बिल तुरंत कैंसल या ठीक किए जाएं.
- मीटर रीडिंग लेते समय ट्रांसपेरेंसी रखी जाए.
- जिन इलाकों में पानी की सप्लाई रेगुलर नहीं है, वहां बिल लेवी पर फिर से विचार किया जाए या शिकायतों को रिकॉर्ड करने और उनके समाधान के लिए एक अलग हेल्पडेस्क शुरू किया जाए.

स्वास्थ्य

मार्गदर्शन नेल्सन हॉस्पिटल के वरिष्ठ बालरोग विशेषज्ञ डॉ. देवपुजारी ने किया

जेनेटिक्स पर किया गया सीएमई का आयोजन

राष्ट्रबाण

नागपुर. नेल्सन हॉस्पिटल में आयोजित की गई जेनेटिक्स पर आधारित सीएमई एक विश्व-स्तरीय शैक्षणिक कार्यक्रम से कहीं अधिक अनुभव देने वाली साबित हुई. इस कार्यक्रम का मार्गदर्शन नेल्सन हॉस्पिटल के वरिष्ठ बालरोग विशेषज्ञ डॉ. सतीश देवपुजारी ने किया. अंतरराष्ट्रीय फैकल्टी के रूप में यूनाइटेड किंगडम के नॉटिंघम यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल्स एनएचएस ट्रस्ट से कंसल्टेंट क्लिनिकल जेनेटिसिस्ट डॉ. अभिजीत दीक्षित ने अपने गहन अकादमिक ज्ञान और स्पष्ट विचारधारा के आधार पर यह उत्कृष्ट समीक्षा प्रस्तुत की कि जेनेटिक मेडिसिन का भविष्य कैसे व्यापक परिवर्तन लाएगा. उन्होंने "किडनी के जीनोमिक विकार – किडनी जेनेटिक्स से मिले सबक" विषय पर चर्चा की. उनका प्रस्तुतिकरण ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक था, जिससे श्रोताओं को अत्यधिक जानकारी प्राप्त हुई. यह सत्र नेल्सन हॉस्पिटल, नागपुर की कंसल्टेंट जेनेटिसिस्ट डॉ. मयूरी येवले ने आगे बढ़ाया, जिन्होंने "न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर : जेनेटिक्स परिदृश्य और डायग्नोस्टिक एप्रोच" इस विषय पर भाषण दिया. दोनों वक्ताओं ने जेनेटिक्स पर उत्कृष्ट ज्ञानवर्धन किया. सोलापुर के वरिष्ठ बालरोग विशेषज्ञ डॉ. मोहन दीक्षित भी इस सीएमई में उपस्थित थे. नेल्सन हॉस्पिटल की डॉ. मयूरी येवले का विशेष उल्लेख करना होगा, जिन्होंने पूरे क्षेत्र में जेनेटिक्स की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. उनका कौशल, उत्साह और जेनेटिक्स के प्रति समर्पण समाज के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होने वाला है. नेल्सन हॉस्पिटल की संचालिका श्रीमती राधा साहू और सीईओ डॉ. सोनलकुमार भगत ने पूरी टीम को इस सफल शैक्षणिक कार्यक्रम के लिए बधाई दी और रोगी सेवा में उन्नति के लिए ऐसे शैक्षणिक उपक्रम लगातार जारी रखने का आश्वासन दिया.

- नेल्सन हॉस्पिटल इस क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाला अग्रणी केंद्र है और वयस्क तथा बाल रोगियों के लिए उत्कृष्ट अतिदक्षता सेवाएं उपलब्ध कराता है.
- नागपुर के धंतोली स्थित यह मध्य भारत का एक बहु-विशेषज्ञीय अस्पताल है. अत्याधुनिक तकनीक, शैक्षणिक उत्कृष्टता और परिवार-स्नेही वातावरण का सुंदर संगम इस मल्टी-स्टोरी इमारत में दिखाई देता है, जिसमें विश्व-स्तरीय अवसंरचना और उपकरण हैं.
- इसमें दो मॉड्युलर ऑपरेशन थिएटर, मेडिकल आईसीयू, सर्जिकल आईसीयू (वयस्क और बाल), प्रसूति आईसीयू, नवजात आईसीयू और बाल आईसीयू शामिल हैं.
- अत्याधुनिक न्यूरो साइंसेज़ विभाग (सेंट्रल ब्रेन एंड स्पाइन हॉस्पिटल) नागपुर तथा आसपास के क्षेत्रों में वयस्क और बाल रोगियों के लिए एक महत्वपूर्ण मूल्यवर्धन है.

छात्राओं ने रंगोली के माध्यम से दिया एड्स जागरूकता का संदेश

राष्ट्रबाण

नागपुर. नंदनवन स्थित गणेश नगर के महिला महाविद्यालय में विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग, रेड रिबन क्लब और मनपा, नागपुर के इंदिरा गांधी अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में 'एड्स' विषय पर आधारित रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में कॉलेज की कई छात्राओं ने भाग लेकर बेहद आकर्षक और प्रभावी रंगोलियों का प्रदर्शन किया.

प्रदर्शित रंगोलियों के माध्यम से एड्स जैसे गंभीर रोग से संबंधित अनेक पहलुओं को चित्रित कर महत्वपूर्ण जन-जागरण संदेश दिया गया. यह रंगोली प्रतियोगिता प्राचार्य डॉ. राष्ट्रपाल गणवीर के मार्गदर्शन में संपन्न हुई. प्रतियोगिता के लिए निर्णायक के रूप में जिला एड्स नियंत्रण एवं प्रतिबंध विभाग, जिला अस्पताल नागपुर की काउंसलर श्रीमती रेखा येड़े मुख्य रूप से उपस्थित थीं. स्पर्धा का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. चंद्रशेखर गित्ते, डॉ. मंगला गोरे और सह-कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वनीता बेले ने किया. प्रतियोगिता को सफल बनाने में डॉ. प्रांजली मोरस्कर, डॉ. तेजस्विनी बेले और प्रा. प्रवेश सहारे का विशेष योगदान रहा.

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

अर्जुन तेंदुलकर की धमाकेदार गेंदबाज़ी से गोवा की शानदार जीत

मुंबई. सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ी प्रदर्शन के दम पर गोवा को शानदार जीत दिलाई। बाएं हाथ के इस तेज़ गेंदबाज़ ने मध्य प्रदेश के खिलाफ 3 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए और खासतौर पर पावरप्ले में कसी हुई गेंदबाज़ी से विपक्षी टीम को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया। मध्य प्रदेश ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 170 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। जवाब में गोवा ने बेहतरीन बल्लेबाज़ी का प्रदर्शन करते हुए लक्ष्य को 18.3 ओवर में 7 विकेट से हासिल कर लिया। गोवा की जीत में कप्तान सुयश प्रभुदेसाई ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

और नाबाद 75 रन की मैच-विनिंग पारी खेली। उनके साथ अभिनव तेजराना ने भी शानदार बल्लेबाज़ी करते हुए 55 रन जोड़े।

गेंदबाज़ी में अर्जुन तेंदुलकर सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी रहे। उनकी यह शानदार गेंदबाज़ी गोवा के लिए अब तक का उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन साबित हुई, जिसने टीम को टूर्नामेंट में इस सीज़न की दूसरी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। गोवा की टीम इस प्रदर्शन के बाद टूर्नामेंट में मजबूत दावेदारी पेश करती नज़र आ रही है।

अर्जुन का कमाल

अर्जुन तेंदुलकर ने गोवा के लिए पहला ओवर फेंका और इस खिलाड़ी ने पांचवीं गेंद पर ही शिवांग कुमार को आउट कर दिया. शिवांग खाता भी नहीं खोल पाए. इसके बाद अगले ओवर में ये खिलाड़ी अंकुश सिंह का भी विकेट ले गया. हालांकि डेथ ओवर्स में अर्जुन तेंदुलकर थोड़े महंगे साबित हुए लेकिन उन्होंने वेंकटेश अय्यर को 6 रन पर आउट कर अपना तीसरा शिकार किया. मध्य प्रदेश के लिए हरप्रीत सिंह ने नाबाद 80 रन बनाए. कप्तान रजत पाटीदार महज 29 रन ही बना सके. आखिर में अंकित वर्मा ने 4 छक्कों की मदद से 34 रन ठोके.

फिर ओपनिंग पर उतरे अर्जुन

अर्जुन तेंदुलकर ने ओपनिंग गेंदबाजी के बाद ओपनिंग बैटिंग भी की. इस खिलाड़ी ने आते ही तीन चौके लगाए लेकिन 16 के स्कोर पर वो तिरुपरेश सिंह का शिकार हो गए. गोवा को इसके बाद अभिनव तलरेजा और सुयद प्रभुदेसाई ने संभाल लिया. दोनों ने 66 गेंदों में 89 रनों की साझेदारी की. ललित यादव ने भी प्रभुदेसाई के साथ मिलकर सिर्फ 27 गेंदों में 57 रन जोड़कर टीम को जीत दिला दी.

मार्को यानसन के जूते का साइज कितना?

केप टाउन. मार्को यानसन की गिनती मौजूदा वक्त में दुनिया के सबसे लंबे क्रिकेटरों में होती है. और, हो भी क्यों ना? आखिर उनकी हाईट ही जो 203 सेंटीमीटर यानी 6 फीट 8 इंच की जो है. लेकिन, क्या आप जानते हैं कि इतने लंबे मार्को यानसन का पैर कितने इंच का है? वो कितने नंबर का जूता पहनते हैं? साउथ अफ्रीका के इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज के जूते का साइज जानकर आपका माथा चकरा सकता है.मार्को यानसन के पैरों की लंबाई का अंदाजा आप उनके जूते की साइज से लगा सकते हैं. एक रिपोर्ट के मुताबिक मार्को यानसन लगभग 14 नंबर का जूता पहनते हैं. अब इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि मार्को यानसन का पैर कितने इंच लंबा होगा? उनके पैर की लंबाई तकरीबन 12 इंच की होगी. मतलब 6 फीट 8 इंच लंबे मार्को यानसन के पैर की लंबाई लगभग 12 इंच है.

मार्को यानसन अभी भारत के खिलाफ खेली 2 टेस्ट मैचों की सीरीज में साउथ अफ्रीका के लिए खेले थे. साउथ अफ्रीका ने टेस्ट सीरीज में भारत के खिलाफ 2-0 से क्लीन स्वीप किया था, जिसमें मार्को यानसन की अहम भूमिका रही थी. वो सीरीज में साइमन हार्मर के बाद दूसरे सबसे सफल गेंदबाज रहे थे. मार्को यानसन ने 4 पारियों में 10.08 की औसत से 12 विकेट चटकाए थे. इसमें एक पारी में उन्होंने 5 विकेट लेने का भी कारनामा किया था.मार्को यानसन ने 2021 में अपने इंटरनेशनल क्रिकेट का आगाज किया था. तब से अब तक खेले 70 मैचों में उन्होंने साउथ अफ्रीका के लिए 1100 से ज्यादा रन बनाने के अलावा 150 से ज्यादा विकेट चटकाए हैं.

वैभव सूर्यवंशी का दमदार शतक चौथे मैच में धमाकेदार वापसी

मुंबई. लगातार तीन मैचों में नाकामी के बाद आखिरकार वैभव सूर्यवंशी का बल्ला सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में जोरदार तरीके से चला। महाराष्ट्र के खिलाफ खेले गए चौथे मुकाबले में सूर्यवंशी ने शानदार शतक जड़कर अपने फॉर्म में वापसी का पक्का ऐलान कर दिया।

सबसे खास बात यह रही कि सूर्यवंशी ने अपना शतक छक्के के साथ पूरा किया। उन्होंने अपनी पारी में जितने छक्के लगाए, उतने ही चौके भी जड़े, और दोनों शॉट्स की बराबर संख्या के साथ एक दिलचस्प उपलब्धि हासिल की। धुआंधार बल्लेबाज़ी का प्रदर्शन करते हुए सूर्यवंशी ने सिर्फ 58 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जिसने विपक्षी गेंदबाज़ों पर लगातार दबाव बनाए रखा।

यह पारी न केवल उनकी व्यक्तिगत वापसी का संकेत है, बल्कि टीम को भी महत्वपूर्ण बढ़त दिलाने में मददगार साबित हुई। वैभव सूर्यवंशी की यह धमाकेदार पारी टूर्नामेंट में अब तक की सबसे यादगार पारियों में से

एक बन गई है। महाराष्ट्र के खिलाफ बिहार ने पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 3 विकेट पर 176 रन बनाए. इसमें अकेले नाबाद 108 रन बिहार के उप-कप्तान यानी वैभव सूर्यवंशी के बल्ले से निकले. उन्होंने ये रन 177 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से खेलते हुए सिर्फ 61 गेंदों पर बनाए. वैभव सूर्यवंशी की इस पारी में अगर 7 छक्के शामिल रहे तो इतने ही चौके भी उनके बल्ले से देखने को मिले. वैभव सूर्यवंशी बिहार के लिए ओपनिंग करने उतरे थे. अपने ओपनिंग पार्टनर बिपिन सौरभ के साथ उनकी ज्यादा जमी नहीं. उसके बाद आए पीयूष के साथ भी उनकी पार्टनरशिप ज्यादा बड़ी नहीं हो सकी. मगर तीसरे विकेट के लिए आकाश राज के साथ वैभव सूर्यवंशी ने अर्धशतकीय साझेदारी की.

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पहला शतक जमाया

वैभव सूर्यवंशी और आकाश राज की जोड़ी 14वें ओवर की तीसरी गेंद पर टूटी. उस वक्त तक बिहार का स्कोर 3 विकेट पर 101 रन पहुंच चुका था. मगर काम अभी पूरा नहीं हुआ था. आकाश राज के आउट होने के बाद वैभव सूर्यवंशी ने अपनी पारी को थोड़ी और रफ्तार दी, जिसके बाद उन्होंने पहले अर्धशतक का आंकड़ा पार किया फिर शतक के फासले को भी मिटाया. वैभव सूर्यवंशी ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के पहले 3 मैचों में सिर्फ 32 रन बनाए थे. लेकिन, चौथे मैच में महाराष्ट्र के खिलाफ उन्होंने शानदार सैंकड़ा जड़ा. बड़ी बात ये है कि महाराष्ट्र के खिलाफ जमाया शतक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में वैभव सूर्यवंशी का पहला शतक भी है.

प्रशांत वीर चमके यूपी हार के बाद भी बने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट

पटना. पुरुषों की अंडर 23 स्टेट ए ट्रॉफी पर उत्तर प्रदेश का कब्जा भले ना हुआ हो. भले ही फाइनल मुकाबले में उसे तमिलनाडु के हाथों हार का सामना करना पड़ा हो. मगर इस टूर्नामेंट में जो हीरो बने, वो खिलाड़ी यूपी के ऑलराउंडर प्रशांत वीर रहे. प्रशांत वीर ने बल्ले से तो टूर्नामेंट में धमाका किया ही, गेंद से भी उनका कहर कम नहीं बरपा. उनके उसी दमदार प्रदर्शन का नतीजा रहा ही कि फाइनल में उत्तर प्रदेश की हार के बाद भी उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया.

प्रशांत वीर ने उड़ाए 19 छक्के, ठोके 376 रन

प्रशांत वीर ने अपने ऑलराउंड खेल से अंडर 23 स्टेट ए ट्रॉफी में सबका ध्यान खींचा. युवराज सिंह को अपना आदर्श मानने वाले प्रशांत वीर ने उन्हीं की तरह फौलादी दम दिखाया. उन्होंने टूर्नामेंट में खेले 7 मैचों में बल्लेबाजी करते हुए 19 छक्के और 32 चौके के साथ 376 रन बनाए. उन्होंने ये रन 94 की औसत से बनाए, जिसमें 4 अर्धशतक शामिल रहे.

उनका बेस्ट स्कोर टूर्नामेंट में 87 रन का रहा.

गेंद से चटकाए 18 विकेट

अपने आदर्श युवराज सिंह की ही तरह 12 नंबर की जर्सी पहनकर खेलने वाले प्रशांत वीर ने बल्ले से तो करारा प्रहार किया ही, इसके अलावा उन्होंने अपने विरोधियों को गेंद से भी खूब छकाया, जिसका प्रमाण है 7 मैचों में झटके उनके 18 विकेट. प्रशांत ने ये विकेट 18.77 की औसत और 5.36 की इकॉनमी से झटके. इस दौरान उन्होंने एक बार 5 विकेट लेने का कारनामा किया तो एक मर्तबा उन्होंने 4 विकेट झटके. गेंदबाजी में वो अपनी टीम यानी उत्तर प्रदेश के तो सबसे सफल बल्लेबाज रहे ही. इसके अलावा वो टूर्नामेंट के टॉप थ्री गेंदबाजों में एक रहे.

कैच लेते वक्त लगी चोट, लगे थे 7 टांके

यूपी के लिए अंडर 23 स्टेट ए ट्रॉफी में दमदार प्रदर्शन कर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट जीत चुके प्रशांत वीर वही खिलाड़ी हैं, जिनके चेहरे पर कुछ महीने पहले 7 टांके लगे थे. दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में खेले एक मैच में कैच पकड़ने के दौरान उनकी आंख बाल-बाल बची थी. प्रशांत वीर ने एक इंटरव्यू में बताया कि कैच पकड़ने के दौरान वो अपने साथी खिलाड़ी से टकरा गए थे, जिसके चलते उन्हें चोट लगी थी और उन्हें 7 टांके लगाए गए थे. उस इंजरी के चलते प्रशांत वीर को कुछ दिनों क्रिकेट से दूर रहना पड़ा था. लेकिन, अंडर 23 स्टेट ए ट्रॉफी टूर्नामेंट में गेंद और बल्ले से जौहर दिखाकर उन्होंने बता दिया है, कि उस इंजरी का उन पर कोई असर नहीं रहा. और, वो जबरदस्त फॉर्म में है.

केन विलियमसन की धमाकेदार वापसी क्राइस्टचर्च टेस्ट में जड़ा अर्धशतक

हैमिल्टन. क्राइस्टचर्च में वेस्टइंडीज़ के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के साथ ही न्यूज़ीलैंड ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के नए चक्र में अपने अभियान की शुरुआत कर दी है। इस मुकाबले में कीवी टीम के स्टार बल्लेबाज़ केन विलियमसन ने भी लंबे अंतराल के बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी की है। विलियमसन लगभग एक साल बाद क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप में मैदान पर उतरे। पूर्व कप्तान ने वहीं से अपने खेल को आगे बढ़ाया, जहाँ उन्होंने पिछली बार छोड़ा था। उनकी पिछली टेस्ट पारी—जो हैमिल्टन में लगभग एक साल पहले खेली गई थी—156 रनों की शानदार शतकीय पारी थी। अब, वेस्टइंडीज़ के खिलाफ वापसी करते हुए उन्होंने पहली ही पारी में बेहतरीन अर्धशतक जड़कर अपने फॉर्म का मजबूत सबूत पेश किया।

क्राइस्टचर्च में खेले जा रहे पहले टेस्ट में न्यूज़ीलैंड की टीम पहले बल्लेबाजी कर रही है. केन विलियमसन ने पहली पारी में 102 गेंदों का सामना कर 6 चौकों की मदद से 52 रन बनाए हैं. ये उनके टेस्ट करियर का 52वां अर्धशतक है. इस पारी के जरिए विलियमसन ने ना सिर्फ टेस्ट क्रिकेट में वापसी का दम भरा है बल्कि एक माइलस्टोन को भी छुआ है. वेस्टइंडीज अब 5वां ऐसा देश बन चुका है, जिसके खिलाफ केन विलियमसन ने टेस्ट क्रिकेट में 1000 रन पूरे कर लिए हैं. इसके पहले वो इंग्लैंड, पाकिस्तान, साउथ अफ्रीका और श्रीलंका के खिलाफ ये कमाल कर चुके हैं. क्राइस्टचर्च टेस्ट में अपनी इनिंग का 30वां रन बनाते ही केन विलियमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 1000 टेस्ट रन पूरे कर लिए थे. न्यूजीलैंड टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में विलियमसन इकलौते खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 1000 रन 5 देशों के खिलाफ मारे हैं. क्राइस्टचर्च टेस्ट से पहले केन विलियमसन के 17 पारियों में 970 रन वेस्टइंडीज के खिलाफ दर्ज थे, जिसमें 3 शतक और 4 अर्धशतक शामिल हैं. लेकिन, अब उनके वेस्टइंडीज के खिलाफ 18 पारियों में 1022 रन, 3 शतक और 5 अर्धशतक के साथ दर्ज हैं.

सरफराज खान का पहला टी20 शतक

मुंबई. टीम इंडिया में जगह बनाने के लिए जूझ रहे मुंबई के युवा बल्लेबाज सरफराज खान ने एक बार फिर साबित कर दिया कि अगर उन्हें मौका मिले तो वह किसी भी बॉलिंग लाइनअप की धज्जियां उड़ा सकते हैं. सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में असम के खिलाफ खेले गए मुकाबले में सरफराज ने एक शतकीय पारी खेली. खास बात ये भी रही कि उन्होंने अपने टी20 करियर में पहली बार शतक जड़ने का कारनामा किया, जिसके चलते मुंबई की टीम इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 200 से ज्यादा रन बनाने में कामयाब रही.सरफराज खान ने असम के खिलाफ इस मैच में सिर्फ 47 गेंदों पर नाबाद 100 रनों की विस्फोटक पारी खेली. इसमें 8 चौके और 7 गगनचुंबी छक्के शामिल रहे. यह पारी ऐसे वक्त आई है जब टीम इंडिया के दरवाजे पर लगातार दस्तक दे रहे इस बल्लेबाज को सबसे ज्यादा जरूरत थी. पिछले दो साल से सरफराज घरेलू क्रिकेट में रनों का अंबार लगा रहे हैं. रणजी ट्रॉफी में लगातार बड़े-बड़े शतक, डेब्यू टेस्ट में अर्धशतक, फिर भी भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए उन्हें संघर्ष करना पड़ रहा है. अब टाइमिंग की बात करें तो यह पारी इससे बेहतर वक्त पर नहीं आ सकती थी. दिसंबर के अंत में IPL 2026 का मेगा ऑक्शन होने वाला है. आईपीएल 2023 के बाद दिल्ली कैपिटल्स ने सरफराज को रिटेन नहीं किया था और वह अनसोल्ड भी रह गए थे. इस बार कई फ्रेंचाइजी के पास बड़ा पर्स है.

15 चौके-छक्के... सरफराज खान ने ठोका तूफानी शतक, करियर में पहली बार किया ये कारनामा

मुंबई. टीम इंडिया में जगह बनाने के लिए जूझ रहे मुंबई के युवा बल्लेबाज सरफराज खान ने एक बार फिर साबित कर दिया कि अगर उन्हें मौका मिले तो वह किसी भी बॉलिंग लाइनअप की धज्जियां उड़ा सकते हैं. सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में असम के खिलाफ खेले गए मुकाबले में सरफराज ने एक शतकीय पारी खेली. खास बात ये भी रही कि उन्होंने अपने टी20 करियर में पहली बार शतक जड़ने का कारनामा किया, जिसके चलते मुंबई की टीम इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 200 से ज्यादा रन बनाने में कामयाब रही.

सरफराज खान का तूफानी शतक

सरफराज खान ने असम के खिलाफ इस मैच में सिर्फ 47 गेंदों पर नाबाद 100 रनों की विस्फोटक पारी खेली. इसमें 8 चौके और 7 गगनचुंबी छक्के शामिल रहे. यह पारी ऐसे वक्त आई है जब टीम इंडिया के दरवाजे पर लगातार दस्तक दे रहे इस बल्लेबाज को सबसे ज्यादा जरूरत थी. पिछले दो साल से सरफराज घरेलू क्रिकेट में रनों का अंबार लगा रहे हैं. रणजी ट्रॉफी में लगातार बड़े-बड़े शतक, डेब्यू टेस्ट में अर्धशतक, फिर भी भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए उन्हें संघर्ष करना पड़ रहा है.

अब टाइमिंग की बात करें तो यह पारी इससे बेहतर वक्त पर नहीं आ सकती थी. दिसंबर के अंत में IPL 2026 का मेगा ऑक्शन होने वाला है. आईपीएल 2023 के बाद दिल्ली कैपिटल्स ने सरफराज को रिटेन नहीं किया था और वह अनसोल्ड भी रह गए थे. इस बार कई फ्रेंचाइजी के पास बड़ा पर्स है और मिडिल ऑर्डर में आक्रामक भारतीय बल्लेबाज की तलाश हर टीम को है. ऐसे में 47 गेंदों में शतक ठोककर सरफराज ने साफ संदेश दे दिया है कि वह सिर्फ रेड-बॉल क्रिकेट के ही नहीं, सफेद गेंद के भी बड़े मैच विनर हो सकते हैं.

मुंबई की टीम ने बनाए 220 रन

मुंबई की टीम ने इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी की, लेकिन वह बोर्ड पर एक बड़ा स्कोर लगाने में कामयाब रही. मुंबई ने 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 220 रन बनाए. इस दौरान सरफराज खान के अलावा अजिंक्य रहाणे ने भी 42 रनों की शानदार पारी खेली. वहीं, साईराज पाटिल ने 9 गेंदों पर नाबाद 25 रन बनाए. सूर्यकुमार यादव ने भी 20 रन और आयुष म्हात्रे ने 21 रनों का योगदान दिया.

आईपीएल 2026 ऑक्शन 1355 खिलाड़ियों ने कराया रजिस्ट्रेशन

इन 5 स्टार्स पर बरस सकता है 70 करोड़ तक पैसा

नई दिल्ली. इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के लिए खिलाड़ियों का रजिस्ट्रेशन खत्म हो चुका है और इस बार कुल 1355 खिलाड़ियों ने अपना नाम भेजा है। इनमें से पाँच ऐसे बड़े नाम हैं जिन पर फ्रेंचाइज़ियां 60 से 70 करोड़ रुपये तक खर्च कर सकती हैं। इस बार आंद्रे रसेल और ग्लेन मैक्सवेल जैसे दिग्गज ऑक्शन में मौजूद नहीं होंगे—और यही वजह है कि कुछ चुनिंदा खिलाड़ियों की कीमत आसमान छू सकती है। आंद्रे रसेल को कोलकाता नाइट राइडर्स ने रिलीज़ किया था, जिसके बाद उन्होंने आईपीएल से संन्यास लेने का फैसला किया। वहीं ग्लेन मैक्सवेल ने इस सीज़न रजिस्टर क्यों नहीं किया, इसकी वजह सामने नहीं आई है। इन दोनों दिग्गजों की गैरमौजूदगी ने कई नए और स्टार खिलाड़ियों के लिए रास्ता खोल दिया है, जिन पर भारी-भरकम बोली लग सकती है।

इन पांच खिलाड़ियों पर बरस सकता है सबसे ज्यादा पैसा — नाम अनुमानित हैं (वर्तमान सूचनाओं के आधार पर):

मिचेल स्टार्क डेथ ओवरों और नई गेंद दोनों में खतरनाक, सबसे महंगे गेंदबाज़ बनने की रेस में।

पैट कमिंस ऑलराउंड पैकेज, नेतृत्व क्षमता और टी20 प्रभाव की वजह से हाई डिमांड।

राशिद खान किसी भी टी20 टीम का सबसे बड़ा हथियार।

रियाद एमिर/उभरता विदेशी

फिनिशर रसेल की गैरमौजूदगी का सीधा फायदा।

हार्दिक पंड्या / शिवम दुबे जैसे भारतीय ऑलराउंडर टीम कॉम्बिनेशन के लिए बेहद कीमती।

ऑक्शन में फ्रेंचाइज़ियां खासकर पावर-हिटर ऑलराउंडर्स, एक्सप्रेस फास्ट बॉलर्स और मैच-विनिंग स्पिनर्स पर जमकर बोली लगाने को तैयार दिखाई दे रही हैं। रसेल और मैक्सवेल जैसे T20 सुपरस्टार्स की गैरमौजूदगी ने इस बार रणनीतियों को पूरी तरह बदल दिया है।

कैमरन ग्रीन

ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ऑक्शन में भारी डिमांड में हो सकते हैं. ऑस्ट्रेलिया का ये खिलाड़ी बैटिंग ही नहीं गेंदबाजी में भी अपना योगदान देता है और साथ ही वो एक गजब के फील्डर भी हैं. ग्रीन की खास बात ये है कि वो टॉप ऑर्डर से लेकर मिडिल ऑर्डर तक कहीं भी बैटिंग कर सकते हैं. ग्रीन चोट के चलते आईपीएल का पिछला सीजन नहीं खेले थे लेकिन इस खिलाड़ी ने दो सीजन में 29 मैच जरूर खेले हैं और उन्होंने 41.5 की औसत से 707 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और 2 अर्धशतक शामिल हैं.

डेविड मिलर पर होगी नजर

डेविड मिलर पर भी एक बार फिर नजर रहने वाली हैं. बाएं हाथ का ये ऑलराउंडर लखनऊ सुपरजायंट्स टीम में था लेकिन उन्हें रिलीज कर दिया गया. बतौर मैच फिनिशर मिलर का कोई तोड़ ही नहीं है. ये खिलाड़ी आईपीएल में 141 मैचों में 35.7 की औसत से 3077 रन बना चुका है जिसमें एक शतक और 13 अर्धशतक शामिल हैं. मिलर पर ऑक्शन में मोटा पैसा बरस सकता है.

लियम लिविंगस्टन पर बरसेगा पैसा

पिछले सीजन आरसीबी के लिए खेलने वाले लियम लिविंगस्टन भी ऑक्शन में हॉट प्रॉपर्टी होंगे. लिविंगस्टन मिडिल ऑर्डर में आकर ताबड़तोड़ छक्के लगाने के अलावा अच्छे गेंदबाजी ऑप्शन भी हैं. वो ऑफ स्पिन और लेग स्पिन दोनों कर सकते हैं. लिविंगस्टन ने 49 मैचों में 26.27 की औसत से 1051 रन बनाए हैं. उनका स्ट्राइक रेट 160 के करीब है.

इंग्लैंड के 2 खिलाड़ी होंगे रडार पर

इंग्लैंड के 2 और खिलाड़ी आईपीएल ऑक्शन में मोटा पैसा कमा सकते हैं. इनमें विकेटकीपर जेमी स्मिथ का नाम शामिल है. ये खिलाड़ी हालिया दिनों में इंग्लैंड के लिए कई तूफानी इनिंग खेल चुका है. मिडिल ऑर्डर में आकर स्मिथ बड़े-बड़े शॉट खेलने का दम रखते हैं. बड़ी बात ये है कि वो स्पिनर्स के खिलाफ भी काफी मजबूत हैं. दूसरा बड़ा नाम ओपनर बेन डकेट हैं. डकेट तूफानी ओपनिंग के लिए जाने जाते हैं और उनके पास कई अलग-अलग तरह के शॉट्स हैं जिनके दम पर वो तेजी से रन बटोरते हैं.